संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 230
पृष्ठ 8
रविवार
10 मई 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- पूड़ी के साथ खूब टेस्टी लगती...
विचार- वाम लोकतांत्रिक मोर्चा के सामने...
खेल- भारतीय कुश्ती महासंघ ने विनेश...

सीएम ने बैडमिंटन खेलकर किया पुलिस क्लस्टर प्रतियोगिता का शुभारंभ, बोले

खेल मैदान अनुशासन, संकल्प और राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी पाठशाला

लखनऊ (संवाददाता)। योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा आयोजित द्वितीय अखिल भारतीय पुलिस बैडमिंटन क्लस्टर (बैडमिंटन एवं टेबल टेनिस) 2025–26 प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। कार्यक्रम बाबू बनारसी दास यू.पी. बैडमिंटन अकादमी में आयोजित किया गया।

मुख्यमंत्री ने उद्घाटन से पहले बैडमिंटन खेलकर प्रतियोगिता की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने बैंड संचालन करने वाले प्रमुख को सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में स्मारिका का विमोचन किया गया और देशभर से आए पुलिस एवं पैरामिलिट्री बलों के खिलाड़ियों का स्वागत किया गया।

सीएम योगी ने कहा कि पांच दिवसीय इस प्रतियोगिता में देशभर से पुलिस और पैरामिलिट्री बलों के लगभग 1400 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने सभी खिलाड़ियों और अधिकारियों का उत्तर प्रदेश की धरती पर स्वागत करते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर से ही स्वस्थ मस्तिष्क और मजबूत राष्ट्र का निर्माण संभव है। उन्होंने कहा कि भारत की प्राचीन परंपरा में कबड्डी, खो–खो, वॉलीबॉल जैसे खेलों का विशेष महत्व रहा है। जब हम अर्जुन का स्मरण करते हैं तो उसके साथ एकाग्रता, अनुशासन और वीरता का भाव जुड़ा होता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल मैदान वह स्थान है जहां अनुशासन का वह पाठ सीखने को मिलता है जो पुस्तकों में भी कठिन होता है। खेल व्यक्ति को संकल्प, समर्पण और चुनौतियों से लड़ने के लिए तैयार करते हैं। उन्होंने कहा कि मेहनत में जितना अधिक पसीना बहता है, सफलता उतनी ही बड़ी मिलती है। खेल युवाओं को आपदा और विपरीत परिस्थितियों से लड़ने की ताकत भी देते हैं।

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश की सबसे बड़ी आबादी वाला राज्य है और यहां युवाओं की संख्या सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में स्टेडियम नाममात्र के थे और खिलाड़ी बेहतर अवसरों के लिए भटकने को मजबूर रहते थे। अब प्रदेश सरकार खेल ढांचे को मजबूत करने के साथ खिलाड़ियों को सम्मानजनक करियर देने का काम कर रही है। उन्होंने बताया कि खेल कोटे के माध्यम से प्रदेश में 546 खिलाड़ियों की सीधी भर्ती की प्रक्रिया चल रही है, जबकि 334 निरीक्षक और उपनिरीक्षकों को पदोन्नति दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "फिट इंडिया" विजन को उत्तर प्रदेश में प्रभावी तरीके से लागू किया जा रहा है।

भारत की सभ्यतागत चेतना के प्रतीक थे गुरुदेव

रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती पर पीएम मोदी का भावुक संदेश

कोलकाता (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए भारत की सभ्यतागत चेतना की कालजयी आवाज बताया। पश्चिम बंगाल में पोची हे बोइशाख के रूप में मनाए जाने वाले इस विशेष अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि गुरुदेव टैगोर ने साहित्य, शिक्षा, कला और दर्शन के क्षेत्र में असाधारण योगदान दिया, जिसने पीढ़ियों को प्रेरित किया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि आज पोची हे बोइशाख के विशेष अवसर पर हम गुरुदेव टैगोर को श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं। उन्होंने कहा कि टैगोर केवल एक महान कवि ही नहीं, बल्कि विलक्षण चिंतक, लेखक, दार्शनिक, शिक्षाविद और कलाकार भी थे।

पीएम मोदी ने कहा कि गुरुदेव ने मानवता की गहरी भावनाओं और भारतीय संस्कृति के श्रेष्ठ आदर्शों को अपनी रचनाओं के माध्यम से अभिव्यक्त किया। उन्होंने कहा कि टैगोर ने समाज को नए विचार, रचनात्मक ऊर्जा और सांस्कृतिक आत्मविश्वास प्रदान किया। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा, हम उन्हें गहरी श्रद्धा और कृतज्ञता के साथ याद करते हैं। उनकी विचारधारा आगे भी लोगों के मन को आलोकित करती रहे और हमारे प्रयासों का मार्गदर्शन करती रहे।

रवींद्रनाथ टैगोर का जन्म बंगाली पंचांग के अनुसार 25 बोइशाख 1268 को हुआ था, जो ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार 7 मई 1861 की तारीख थी। गुरुदेव टैगोर एशिया के पहले नोबेल पुरस्कार विजेता थे। उन्हें 1913 में उनकी काव्य कृति गीतांजलि के लिए साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिला था। उन्होंने भारत के राष्ट्रगान जन गण मन और बांग्लादेश के राष्ट्रगान आमार सोनार बांग्ला की भी रचना की थी।

टैगोर को भारतीय पुनर्जागरण का प्रमुख स्तंभ माना जाता है। उन्होंने शांति निकेतन में विश्वभारती विश्वविद्यालय की स्थापना की, जो आज भी भारतीय संस्कृति, शिक्षा और कला का महत्वपूर्ण केंद्र है। उनकी रचनाओं में राष्ट्रवाद, मानवता, प्रकृति और आध्यात्मिकता की गहरी छाप देखने को मिलती है।

लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमणि नये प्रमुख रक्षा अध्यक्ष, वाइस एडमिरल स्वामीनाथन नये नौसेना प्रमुख नियुक्त

नयी दिल्ली (एजेंसी)। लेफ्टिनेंट जनरल एन एस राजा सुब्रमणि (सेवानिवृत्त) को प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) और

वाइस एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन को नया सेना प्रमुख नियुक्त किया गया है। रक्षा मंत्रालय ने सशस्त्र बलों में इन महत्वपूर्ण नियुक्तियों की शनिवार सुबह घोषणा की। लेफ्टिनेंट जनरल राजा सब्रमणि जनरल अनिल चौहान का स्थान लेंगे जिनका 30 मई को कार्यकाल पूरा हो रहा है जबकि वाइस एडमिरल स्वामीनाथन एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी की जगह नौसेना प्रमुख की जिम्मेदारी संभालेंगे जो 31 मई को सेवा निवृत हो रहे हैं। ले जनरल सुब्रमणि सैन्य कार्य विभाग के सचिव के रूप में भी कार्य करेंगे और उनकी नियुक्ति उनके कार्यभार संभालने के दिन से प्रभावी मानी जायेगी और वह अगले आदेश तक इस पद पर बने रहेंगे। लेफ्टिनेंट जनरल राजा सुब्रमणि एक सितंबर 2025 से राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय में सैन्य सलाहकार के पद पर कार्य कर रहे हैं। इससे पहले वह 1 जुलाई 2024 से 31 जुलाई 2025 तक सेना के उप प्रमुख रहे तथा मार्च 2023 से जून 2024 तक केंद्रीय कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग–इन–चीफ रहे। वाइस एडमिरल स्वामीनाथन ने 31 जुलाई 2025 को पश्चिमी नौसेना कमान के 34वें फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग–इन–चीफ के रूप में कार्यभार संभाला था।

ईडी रेड पर भड़के सीएम भगवंत मान, बोले- पीएम मोदी की चालों के आगे नहीं झुकेगा पंजाब

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने शनिवार को भाजपा पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के दुरुपयोग का आरोप लगाया। ईडी ने पंजाब के मंत्री और विधायक संजीव अरोरा के घर पर फिर से तलाशी ली। मुख्यमंत्री मान ने कहा कि एक साल में यह तीसरी बार है जब ईडी अरोरा के घर आई है और पिछले महीने में यह दूसरी बार है। हालांकि, उन्होंने दावा किया कि अभी तक कुछ भी नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि पंजाब दबाव या राजनीतिक हथकंडों के आगे नहीं झुकेगा। एक पोस्ट में पंजाब के मुख्यमंत्री ने लिखा कि आज एक बार फिर भाजपा की ईडी संजीव

अरोरा के घर आई है। एक साल में यह तीसरी बार है जब भाजपा की ईडी उनके घर आई है। और पिछले एक महीने में यह दूसरी बार है। फिर भी, उन्हें कुछ नहीं मिला है। मैं मोदी जी को बताना चाहता हूं कि पंजाब गुरुओं की भूमि है, जिसे औरंगजेब भी अपने अधीन नहीं कर सका। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि पंजाब, गुरुओं और स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह की भूमि, हमेशा अन्याय के खिलाफ मजबूती से खड़ी रही है और आगे भी खड़ी रहेगी। पोस्ट में लिखा था कि यह भगत सिंह की भूमि है, जिन्होंने अंग्रेजों के सामने कभी सिर नहीं झुकाया, इसलिए पंजाब मोदी की चालों के आगे कभी नहीं झुकेगा। ईडी–भाजपा के इस अनैतिक गठबंधन का अंत पंजाब से ही शुरू होगा। इसके अलावा, आम आदमी पार्टी (आप) के नेता संजय सिंह ने भी भाजपा की आलोचना करते हुए ईडी को भाजपा का "सुपारी हत्यारा" बताया और आरोप लगाया कि ये छापे राजनीतिक रूप से प्रेरित थे।

पश्चिम बंगाल का अधिकार अधिकारी को

राज्य की राजनीति में भाजपा का नया अध्याय

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जुझारू नेता शुभेन्दु अधिकारी ने शनिवार को यहां पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। राज्य में पहली बार भाजपा की सरकार के गठन के साथ राजनीति का एक नया अध्याय शुरु हुआ है और तृणमूल कांग्रेस के 15 वर्ष के शासन का अंत हो गया है।

छप्पन वर्षीय श्री अधिकारी को राज्यपाल आर एन रवि ने ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड मैदान में आयोजित भव्य समारोह में विशाल जन समूह के समक्ष पद और गोपनीयता की शपथ दिलायी। उनके साथ श्री दिलीप घोष, सुश्री अग्निमित्रा पॉल, श्री अशोक कीर्तनिया, श्री खुदीराम टुडू और श्री निसिथ प्रमाणिक को भी मंत्री पद की शपथ दिलायी गयी। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह समेत कई केंद्रीय मंत्री, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन और भाजपा तथा उसके नेतृत्ववाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के शासन वाले विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

निवर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को लगातार दो चुनावों में शिकस्त देने वाले श्री अधिकारी को शुक्रवार को भाजपा विधायक दल की बैठक में सर्वसम्मति से नेता चुना गया था।

उन्नीस सौ पचास के दशक में गठित जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की राजनीतिक विरासत और विचारधारा की वाहक भाजपा पश्चिम बंगाल में 20 16 से पहले राजनीतिक हाशिए पर थी। वर्ष 2016 के विधान सभा चुनाव में उसने पहली बार तीन सीटों के साथ अपना खाता खोला था और 2021 के चुनाव में पार्टी ने 77 सीटें जीत कर मुख्य विपक्षी दल का दर्जा प्राप्त किया।

राज्य में भाजपा के उदय के साथ वर्षों से सत्ता में रहे कांग्रेस और वामपंथी दल हाशिए पर चले गये। शपथ ग्रहण समारोह के मंच पर कविवर रवींद्र नाथ टैगोर का चित्र लगा हुआ था जिनकी आज जयंती मनायी जा रही है। प्रधानमंत्री ने मंच पर पहुंचते ही उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

उनके बाद श्री अधिकारी ने भी साहित्य के नोबेल से सम्मानित गुरुदेव को श्रद्धांजलि दी।

प्रधानमंत्री ने मंच से राज्य की जनता को दंडवत प्रणाम किया। उन्होंने मंच पर ही पश्चिम बंगाल में भाजपा के सबसे पुराने कार्यकर्ताओं में से एक माखनलाल सरकार का शॉल ओढ़ा कर अभिनंदन किया और उनके पैर छूकर आशीर्वाद लिया। श्री अधिकारी ने कल भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद पश्चिम बंगाल के पुर्निर्माण का संकल्प लेते हुए कहा था कि भाजपा सरकार राज्य की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करेगी।

रवींद्र जयंती मनाने के लिए तीन जगहों की अनुमति सरकार ने की नामंजूर

ममता बनर्जी ने साधा निशाना

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रवींद्र जयंती के अवसर पर महान कवि रवींद्रनाथ टैगोर को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने सरकार की ओर सजावट का सामान उपलब्ध कराने से भी मना किया गया। उन्होंने इस अवसर पर सभी समान विचारधारा वाले दलों से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को रोकने की अपील की।

से रवींद्र जयंती समारोहों के लिए तीन जगहों पर मांगी गई अनुमति को नामंजूर किए जाने का मुद्दा भी उठाया। ममता बनर्जी ने कहा कि रवींद्र जयंती मनाने के लिए तीन जगहों पर अनुमति मांगी गई थी, लेकिन इसे अस्वीकार कर दिया गया। ममता बनर्जी ने कहा कि इस कारण मैंने अपने आवास पर ही कार्यक्रम आयोजित करने का फैसला लिया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आयोजकों को टीएमसी प्रमुख ने एक्स पर एक पोस्ट में विश्व–प्रसिद्ध विचारक और कविगुरु रवींद्रनाथ टैगोर को शाश्वत मार्गदर्शक प्रकाश बताया। इसके साथ ही उन्होंने जयंती को बांग्ला भाषा, संस्कृति और विरासत के पुनर्जन्म का एक भव्य उत्सव बताया। उन्होंने टैगोर के जीवन दर्शन को दैनिक यात्रा के लिए प्रेरणादायक बताया। बनर्जी ने कहा कि टैगोर ने हमें सिखाया है कि विभाजन सत्य नहीं है, बल्कि एकता ही सत्य है।

यूपी के हापुड़ में महाराणा प्रताप जयंती पर बवाल, रैली पर जमकर पथराव, भारी पुलिस फोर्स तैनात

हापुड़ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में शनिवार को दो गुटों के बीच झड़प के बाद तनाव काफी बढ़ गया, जिसके चलते एक जुलूस के दौरान पत्थरबाजी हुई। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में कई लोग घायल हो गए, जिसके बाद प्रभावित क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी गई। अधिकारियों के अनुसार, यह घटना हापुड़ के देहरा गांव के धौलाना इलाके में हुई, जहां राजपुर के शासक महाराणा प्रताप की जयंती के अवसर पर निकाले जा रहे जुलूस के दौरान कथित तौर पर पत्थरबाजी की गई। घटना के बाद सुरक्षा बढ़ा दी गई है और वरिष्ठ अधिकारी स्थिति पर नजर रखने के लिए मौके पर पहुंच गए हैं। पत्रकारों से बात करते हुए एक अधिकारी ने बताया कि धौलाना पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले देहरा गांव में महाराणा प्रताप की जयंती के अवसर पर एक जुलूस निकाला जा रहा था।

संजीव अरोरा पर ईडी रेड से सियासी बवाल, केजरीवाल बोले

भाजपा के लिए पार्टियां तोड़ रहीं एजेंसियां

नयी दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय जांच ब्यूरो जैसी एजेंसियों का दुरुपयोग करके विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने और उन्हें भाजपा में शामिल होने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया। मीडिया से बात करते हुए केजरीवाल ने कहा कि आज सुबह से पंजाब के मंत्री संजीव अरोरा के आवास पर ईडी की छापेमारी जारी है। मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद से हमने देखा है कि सीबीआई और ईडी भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग को रोकने के बजाय अन्य पार्टियों को तोड़ने और अन्य राजनीतिक नेताओं को धमकाकर उन्हें भाजपा में शामिल होने के लिए मजबूर करने का काम कर रही हैं।

केजरीवाल ने आगे कहा कि ईडी की छापेमारी इसी दिशा में उठाया गया कदम है। प्रवर्तन निदेशालय ने शनिवार को दिल्ली, गुरुग्राम और चंडीगढ़ में पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा से जुड़े पांच ठिकानों पर तलाशी ली। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 के तहत चल रहे 100 करोड़ रुपये के कथित धन शोधन मामले के संबंध में की गई। इससे पहले शनिवार को केजरीवाल ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की कई कार्रवाइयों के जरिए पंजाबियों को उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है।

उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि ये ईडी की छापेमारी राजनीतिक रूप से प्रेरित हैं और इनका मकसद गलत कामों को उजागर करने के बजाय दबाव डालना है।

भोजपुरी अभिनेत्री हत्याकांड में सारनाथ थाना प्रभारी तलब, मां ने सीबीआई जांच की लगाई है गुहार

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भोजपुरी फिल्म अभिनेत्री आकांक्षा दुबे की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने आरोपियों को नोटिस जारी किया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भोजपुरी फिल्म अभिनेत्री आकांक्षा दुबे की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने आरोपियों को नोटिस जारी किया है। साथ ही वाराणसी के सारनाथ थाना प्रभारी को जवाबी हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया है। यदि हलफनामा पेश नहीं

किया जाता है, तो थाना प्रभारी को 22 मई 2026 को सुबह 10 बजे कोर्ट के समक्ष उपस्थित होना होगा। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ और न्यायमूर्ति विनय कुमार द्विवेदी की खंडपीठ ने अभिनेत्री की मां मधु दुबे की ओर से दायर याचिका पर दिया है। वाराणसी के सारनाथ स्थित एक होटल में आकांक्षा दुबे का शव 26 मार्च 2023 को रहस्यमय परिस्थितियों में मिला था। इसके बाद उनकी मां ने समर सिंह के खिलाफ हत्या का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई थी। याचिकाकर्ता मधु दुबे ने स्थानीय पुलिस की कार्यप्रणाली पर संदेह जताते हुए पूरे मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग की है। याची के अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि मामले की निष्पक्ष जांच के लिए स्थानीय पुलिस के बजाय केंद्रीय एजेंसी की आवश्यकता है। अदालत ने इस मामले में 48 घंटे के भीतर आरोपी समर सिंह व संजय सिंह को नोटिस जारी करने का निर्देश दिया है। अदालत ने वाराणसी के पुलिस कमिश्नर को यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई है कि थाना प्रभारी की ओर से इस आदेश का अनुपालन किया जाए।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सपा सांसद रामजी लाल सुमन की याचिका खारिज की

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन और उनके बेटे पूर्व विधायक रंजीत सुमन के आगरा स्थित आवास पर हुए कथित हमले की उच्च स्तरीय जांच, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई और केंद्रीय सुरक्षा की मांग को लेकर दाखिल आपराधिक रिट याचिका को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने खारिज कर दी। समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन और उनके बेटे पूर्व विधायक रंजीत सुमन के आगरा स्थित आवास पर हुए कथित हमले की उच्च स्तरीय जांच, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई और केंद्रीय सुरक्षा की मांग को लेकर

दाखिल आपराधिक रिट याचिका को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि मामले में चार्जशीट दाखिल हो चुकी है। अब याचिका पर आगे सुनवाई की आवश्यकता नहीं रह गई है। साथ ही याचिकाकर्ताओं को कानून के तहत उपलब्ध अन्य वैधानिक उपाय अपनाने की छूट भी दी गई है।न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा और न्यायमूर्ति जय कृष्ण उपाध्याय की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई की। सुनवाई के दौरान पुलिस महानिदेशक कार्यालय के लीगल सेल की ओर से 5 मई 2026 की रिपोर्ट पेश की गई। इसमें बताया गया कि संबंधित मामले में चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है। इसके बाद अदालत ने याचिका को समाप्त कर दिया। यह मामला राणा सांगा को लेकर दिए गए कथित विवादित बयान के बाद सामने आया था। याचिका में कहा गया था कि 26 मार्च 2025 को आगरा स्थित उनके घर पर हिंसक भीड़ ने हमला किया था। इसके बाद 27 मार्च को हरि पर्वत थाना में रंजीत सुमन की ओर से सैकड़ों अज्ञात लोगों के खिलाफ छह गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया था।

रैगिंग के आरोपों पर वार्डेन ने छात्राओं से की पूछताछ, एमबीबीएस छात्रों में हुआ था विवाद

प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के छात्रावास में एमबीबीएस छात्रों के बीच हुए विवाद ने तूल पकड़ लिया है। इंटरनेट पर वायरल वीडियो में जूनियर छात्राएं उत्पीड़न और मारपीट के आरोप लगाती दिखाई दे रही हैं।

मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के छात्रावास में एमबीबीएस छात्रों के बीच हुए विवाद ने तूल पकड़ लिया है। इंटरनेट पर वायरल वीडियो में जूनियर छात्राएं उत्पीड़न और मारपीट के आरोप लगाती दिखाई दे रही हैं। हालांकि संवाद न्यूज एजेंसी वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करती है। वीडियो में कई छात्राओं को दीवार के सहारे खड़ा किया गया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए छात्रावास की वार्डेन डॉ. अर्चना कौल ने छात्राओं से पूछताछ की और रैगिंग हुई या नहीं इसकी जानकारी एकत्रित की। मेडिकल कॉलेज में देशभर से छात्राएं पढ़ने आती हैं। जूनियर छात्राओं ने पहले भी सीनियर छात्राओं पर फोन छीनने के भी आरोप लगाए थे और शिकायतें की थीं प्राचार्य प्रो. डॉ वीके पांडेय ने कहा कि वार्डेन शनिवार तक रिपोर्ट देंगी। उन्होंने बताया कि कॉलेज में ग्रीवांस सेल और एंटी रैगिंग सेल सक्रिय हैं, जहां छात्राएं अपनी शिकायत दर्ज करा सकती हैं।

गांव की गलियों से डिजिटल दुनिया तक छाए रितेश

प्रयागराज। लखीमपुर खीरी के चिमनी गांव निवासी रितेश प्रजापति (20) सीमित संसाधनों के बावजूद अपने हुनर के दम पर अलग पहचान बना रहे हैं। वह कैमरा, एडिटिंग और एआई आधारित क्रिएटिव विजन के जरिये गांवों की छिपी संस्कृति और कहानियों को भी दुनिया के सामने ला रहे हैं। वह उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग के साथ भी काम कर चुके हैं। वह अपनी क्रिएटिव एजेंसी शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं। इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्नातक की पढ़ाई कर रहे रितेश 11वीं में ही वीडियो एडिटिंग सीखने लगे।

वैवाहिक विवाद में समझौता हो गया तो मुकदमा जारी रखने का औचित्य नहीं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि वैवाहिक या पारिवारिक विवादों में पक्षकारों ने आपसी समझौता कर लिया हो, तो आपराधिक कार्यवाही को जारी रखने का औचित्य नहीं रह जाता।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि वैवाहिक या पारिवारिक विवादों में पक्षकारों ने आपसी समझौता कर लिया हो, तो आपराधिक कार्यवाही को जारी रखने का औचित्य नहीं रह जाता। ऐसे मामलों में समझौते के बाद मुकदमे को जारी रखना अभियुक्तों का उत्पीड़न होगा और न्यायालय का कीमती समय बर्बाद होगा। न्यायमूर्ति नंद प्रभा शुक्ला की एकल पीठ ने नितेश शर्मा व अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। इसी के साथ कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट में लंबित मुकदमे की पूरी कार्यवाही को रद्द कर दिया।

फर्रुखाबाद के महिला थाना में याचियों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, मारपीट, छेड़छाड़, जान से मारने की धमकी और दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा में एफआईआर दर्ज है। याचियों ने मुकदमे की कार्यवाही रद्द करने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की। याची के अधिवक्ता दिव्यांशु तिवारी ने दलील दी कि यह विवाद विशुद्ध रूप से पति-पत्नी के बीच कलह के कारण उत्पन्न हुआ था। दोनों पक्षों ने 23 अगस्त 2024 को लिखित समझौता कर लिया है, जिसे ट्रायल कोर्ट ने 2 अप्रैल 2025 को सत्यापित भी कर दिया है।

कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद सर्वोच्च न्यायालय की ओर से बीएस जोशी बनाम हरियाणा राज्य और ज्ञान सिंह बनाम पंजाब राज्य मामलों में दिए गए फैसलों का संदर्भ लिया। कोर्ट ने माना कि जिन आपराधिक मामलों में मुख्य आधार व्यक्तिगत या निजी विवाद होते हैं और पक्षकारों ने अपनी संतुष्टि के साथ समझौता कर लिया है, वहां दोषसिद्धि की संभावना बेहद कम और क्षीण हो जाती है। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि चूंकि पक्षकार अब मामले को आगे नहीं बढ़ाना चाहते और स्वेच्छा से विवाद सुलझा चुके हैं, इसलिए ऐसे गैर-शमनीय अपराधों में भी अंतर्निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए कार्यवाही रद्द की जा सकती है।

हाईकोर्ट ने एकलपीठ का आदेश किया रद्द, क्लैट-यूजी 2026 की मूल मेरिट लिस्ट बहाल

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने क्लैट-यूजी 2026 की मूल मेरिट लिस्ट को बहाल करते हुए एकल पीठ के आदेश को रद्द कर दिया है। न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह और न्यायमूर्ति स्वरूपमा चतुर्वेदी की खंडपीठ ने कंसोर्टियम ऑफ नेशनल लॉ यूनिवर्सिटीज की ओर से दायर विशेष अपील को स्वीकार करते हुए स्पष्ट किया कि शैक्षणिक मामलों में न्यायिक हस्तक्षेप की गुंजाइश अत्यंत सीमित होती है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने क्लैट-यूजी 2026 की मूल मेरिट लिस्ट को बहाल करते हुए एकल पीठ के आदेश को रद्द कर दिया है। न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह और न्यायमूर्ति स्वरूपमा चतुर्वेदी की खंडपीठ ने कंसोर्टियम ऑफ नेशनल लॉ यूनिवर्सिटीज की ओर से दायर विशेष अपील को स्वीकार करते हुए स्पष्ट किया कि शैक्षणिक मामलों में न्यायिक हस्तक्षेप की गुंजाइश अत्यंत सीमित होती है।

गाजियाबाद निवासी अभ्यर्थी ने पिता के माध्यम से एकल पीठ के समक्ष याचिका दायर कर सेट-सी के प्रश्न संख्या छह, नौ और 13 के उत्तरों को चुनौती दी थी। एकल पीठ ने तीन फरवरी 2026 को दिए

अपने आदेश में प्रश्न संख्या नौ के लिए दो विकल्पों को सही मानते हुए मेरिट लिस्ट को फिर से संशोधित करने का निर्देश दिया था।

इस आदेश के खिलाफ कंसोर्टियम ने अपील दायर की जबकि अभ्यर्थी ने शेष दो प्रश्नों में राहत न मिलने पर अपनी अलग अपील दाखिल की थी। कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद सर्वोच्च न्यायालय के विभिन्न निर्णयों का हवाला देते हुए कहा कि उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन और उत्तर कुंजी की शुद्धता का निर्धारण संबंधित विषयों के विशेषज्ञों का कार्य है।

प्रत्यक्ष रूप से जब तक कोई त्रुटि न मिले न्यायालय को हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। न्यायालय ने सेट-सी के तीनों विवादित प्रश्नों की बारीकी से जांच की। प्रश्न संख्या छह के संबंध में कोर्ट ने पाया कि अभ्यर्थी की ओर से दी गई व्याख्या खंडित थी, जबकि परीक्षक का उत्तर समग्र और क्रमिक अध्ययन पर आधारित था।

प्रश्न संख्या नौ के लिए विकल्प (डी) को ही कोर्ट ने तर्कसंगत उत्तर माना। इसी तरह, प्रश्न संख्या 13 के मामले में भी न्यायालय ने परीक्षक के उत्तर को ही सही ठहराया। इसी के साथ कोर्ट ने कहा कि अंतिम उत्तर कुंजी विषय विशेषज्ञों और निगरानी समिति की देखरेख में जारी की गई थी। विशेषज्ञों की ओर से अपनाई गई व्याख्या उचित और संभव थी। ऐसे में एकल पीठ का हस्तक्षेप न्यायसंगत नहीं था। इसके साथ ही, न्यायालय ने अभ्यर्थी की अपील को खारिज कर दिया और एकल पीठ के आदेश को पूरी तरह से रद्द करते हुए कंसोर्टियम की ओर से तैयार की गई मूल मूल्यांकन प्रक्रिया को बहाल कर दिया है।

अवैध स्कूल के संचालन की सूचना छिपाने पर बीईओ निलंबित, एडी बेसिक ने की कार्रवाई

प्रयागराज। स्कूल के नाम पर अवैध वसूली कराने और कक्षाओं के संचालन की गलत रिपोर्ट प्रेषित के आरोपों की जांच के बाद बीईओ को निलंबित कर दिया गया है। स्कूल के नाम पर अवैध वसूली कराने और कक्षाओं के संचालन की गलत रिपोर्ट प्रेषित के आरोपों की जांच के बाद बीईओ को निलंबित कर दिया गया है। कन्नौज के विकासखंड ताल ग्राम के खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) रमेश चंद्र चौधरी पर अपर शिक्षा निदेशक बेसिक कामता राम पाल ने कार्रवाई की है।

पानीपत (हरियाणा) के मधई के ग्राम नगला निवासी बदन सिंह की शिकायत के बाद बीईओ के खिलाफ जांच के आदेश दिए गए थे। जांच में सामने आया कि कन्नौज के तालग्राम क्षेत्र के डंबर पुर्वा अमोलर में प्री-प्राइमरी से कक्षा पांच तक के करीब 400 बच्चों के लिए अवैध रूप से राजकुमारी मेवाराम आदर्श विद्यालय संचालित किया जा रहा था।

दिसंबर 2023 में तत्कालीन बीएसए उपासना रानी वर्मा ने विद्यालय प्रबंधन को नोटिस जारी किया था। मामले की जांच खंड शिक्षा अधिकारी रमेश चंद्र चौधरी को सौंपी गई। आरोप है कि उन्होंने विद्यालय संचालकों की मिलीभगत से दो जनवरी 2024 को दी गई जांच रिपोर्ट में प्राइमरी स्तर के संचालन को छिपाते हुए केवल कक्षा छह से 10 तक विद्यालय संचालन की बात लिखी थी। एक से पांच तक कक्षा संचालन का जिक्र नहीं किया था।

इसके बाद अवैध रूप से संचालित विद्यालय को बंद करने के निर्देश दिए गए थे लेकिन कार्रवाई नहीं की गई। जुलाई-2025 में बीएसए संदीप कुमार ने विद्यालय प्रबंधन के खिलाफ अवैध रूप से कक्षाएं संचालित करने की एफआईआर दर्ज कराई थी। इसके अलावा विभागीय कार्यों में लापरवाही बरतने के अन्य आरोपों के आधार पर भी खंड शिक्षा अधिकारी को निलंबित किया गया है।

प्रधानाध्यापिका से कमीशन मांगने पर बीईओ को नोटिस, सात दिन में देना होगा जवाब

विद्यालय के मरम्मत कार्य के लिए जारी चार लाख 62 हजार रुपये का 20 फीसदी, कमीशन नहीं देने पर कन्नौज जिले के प्रधानाध्यापिका को परेशान करने का मामला सामने आया है। अपर शिक्षा निदेशक (बेसिक) कामता राम पाल ने कन्नौज जिले के विकास खंड सौरिख के खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) विश्वनाथ पाठक को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

पिपरिया प्राथमिक विद्यालय प्रधानाध्यापिका कल्पना पाल ने 24 अप्रैल 2026 को दिसंबर-2025 में उनके विद्यालय के मरम्मत कार्य के लिए 4,62,796 रुपये की धनराशि प्राप्त हुई थी। इसमें 20 फीसदी कमीशन खंड शिक्षा अधिकारी विश्वनाथ पाठक मांगने लगे। मना करने पर 25 मार्च 2026 को उपस्थिति रजिस्टर की जांच की और कहा कि मैडम रुपये नहीं देंगी तो आपको ऐसे ही परेशान किया जाएगा। इस 20 फीसदी में बीएसए और डीसी का भी हिस्सा है। इसके तीन महीने बाद उन्होंने बाल्य देखभाल अवकाश के लिए आवेदन किया, जिसे बीईओ ने चार बार निरस्त कर दिया गया।

22 अप्रैल को बीएसए ने विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। उनके अवकाश पर होने के बावजूद भी निलंबित करने की धमकी दी गई। अपर शिक्षा निदेशक (बेसिक) कामता राम ने बताया कि स्पष्टीकरण मिलने के बाद बीएसए और बीईओ के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

हाईकोर्ट की अहम टिप्पणी-

सिर्फ सजा देना कानून का मकसद नहीं, सुधार भी जरूरी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए स्पष्ट किया है कि दंड प्रक्रिया का प्राथमिक उद्देश्य अपराधी को केवल दंडित करना नहीं, बल्कि उसमें सुधार लाना भी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए स्पष्ट किया है कि दंड प्रक्रिया का प्राथमिक उद्देश्य अपराधी को केवल दंडित करना नहीं, बल्कि उसमें सुधार लाना भी है। इसी के साथ कोर्ट ने 50 साल पुराने आपराधिक मामले में दोषसिद्धी को बरकरार रखते हुए याची को एक वर्ष के अच्छे व्यवहार की शर्त पर प्रोबेशन पर रिहा कर दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह की पीठ ने दिया है। वर्ष 1976 में गाजियाबाद के सिहानी गेट थाना क्षेत्र में याची सुरेश और दो अन्य के खिलाफ मारपीट के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। ट्रायल कोर्ट ने 1984 में सभी को दोषी करार देते हुए एक साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ सुरेश व अन्य ने हाईकोर्ट में अपील दायर की। अपील लंबित रहने के दौरान दो आरोपियों की मृत्यु हो गई थी। जीवित बचे एकमात्र 73 वर्षीय अभियुक्त सुरेश की अपील पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने सर्वोच्च न्यायालय की ओर से रतन लाल बनाम पंजाब राज्य मामले में स्थापित नजीर का हवाला दिया। अदालत ने कहा कि दंड देना एक संवेदनशील विवेकपूर्ण कार्य है, न कि कोई यांत्रिक प्रक्रिया। कोर्ट ने अभियुक्त की दोषसिद्धि को तो बरकरार रखा, लेकिन उसकी सजा को संशोधित करते हुए उसे जेल भेजने के स्थान पर एक वर्ष के अच्छे आचरण की शर्त पर प्रोबेशन पर रिहा करने का आदेश दिया।

संदिग्ध हालात में मिला सेवानिवृत्त प्रोफेसर का शव, छानबीन में जुटी पुलिस

प्रयागराज। जार्ज टाउन के तुलारामबाग स्थित उत्कर्ष अपार्टमेंट में नैनीताल निवासी सेवानिवृत्त महिला प्रोफेसर ईश्वरी उर्फ शंकरी देवी (75) का शव मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों के आने के बाद शव का पोस्टमार्टम होगा। प्रोफेसर के पद से सेवानिवृत्त ईश्वरी उर्फ शंकरी देवी पिछले वर्ष से अपार्टमेंट में अकेले रहती थीं। बृहस्पतिवार रात सब्जी दुकानदार कमरे पर सब्जी पहुंचाने गया। कई बार आवाज देने पर भी

दरवाजा नहीं खुला तो उसने अपार्टमेंट में रहने वाले दूसरे लोगों को जानकारी दी। लोग अंदर पहुंचे तो कमरे के अंदर से बदबू आ रही थी। मामला संदिग्ध लगने पर सूचना डायल-112 पर दी गई। जार्ज टाउन पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दरवाजा तोड़ा तो अंदर ईश्वरी देवी मृत पड़ी थीं। जार्ज टाउन थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह ने बताया कि ईश्वरी उर्फ शंकरी देवी कहां प्रोफेसर थी इसकी जानकारी नहीं हो सकी है। परिजनों को सूचित कर दिया गया है। उनके बयान के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। प्रारंभिक जांच में हार्ट अटैक की आशंका है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा।

पूर्व छात्र नेता पर फायरिंग के मामले में महिला प्रधानाचार्य गिरफ्तार, दो की तलाश

प्रयागराज। तेलियरगंज में इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) के पूर्व छात्रनेता व अधिवक्ता पर फायरिंग करने के मामले में पुलिस ने शहर के एक प्रतिष्ठित स्कूल की प्रधानाचार्य प्रियदर्शनी सिंह को गिरफ्तार किया है। तेलियरगंज में इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) के पूर्व छात्रनेता व अधिवक्ता पर फायरिंग करने के मामले में पुलिस ने शहर के एक प्रतिष्ठित स्कूल की प्रधानाचार्य प्रियदर्शनी सिंह को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोप है कि थार सवार प्रियदर्शनी ने अपने परिचित को गोली चलाने के लिए उकसाया था। शुक्रवार दोपहर में पुलिस ने उन्हें न्यायालय में पेश किया, जहां से जमानत दे दी गई। पुलिस ने अन्य दो आरोपियों की पहचान कर ली है। दावा है कि जल्द ही दोनों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पूर्व छात्र नेता व अधिवक्ता रजनीश कुमार सिंह बुधवार रात अपने गांव बनवीपुर से घर लौट रहे थे। रात 11रू39 बजे शिवकुटी के तेलियरगंज कैंटोनमेंट एरिया-271 गेट के पास पहुंचे तो थार सवार लोगों ने ओवरटेक करते हुए उनकी फॉर्च्यूनर गाड़ी में फायरिंग कर दी। हमले में वह बाल-बाल बच गए। घटना के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। थार नंबर के आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंची। जांच में पता चला कि कार में महिला समेत तीन लोग सवार थे।

शिवकुटी थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह ने बताया कि सभी आरोपियों की पहचान कर ली गई है। हालांकि, थार सवार महिला की पहचान एक प्रतिष्ठित स्कूल की प्रधानाचार्य प्रियदर्शनी के तौर पर हुई है। उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। जांच में पता चला कि उन्होंने अपने साथी को गोली चलाने के लिए उकसाया था। जल्द ही अन्य दो आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस संबंध में प्रधानाचार्य प्रियदर्शनी सिंह का पक्ष जानने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि इस प्रकरण पर उन्हें कुछ नहीं कहना है। उनका फोन सर्विलांस पर लगा हुआ है।

संगम नगरी से जेवर के लिए मिलेगी सीधी उड़ान, जून के आखिरी सप्ताह से शुरू हो सकती है फ्लाइट

प्रयागराज। संगम नगरी और औद्योगिक नगरी नोएडा के बीच हवाई सफर का सपना अब हकीकत बनने की दहलीज पर है। विमानन कंपनी इंडिगो ने प्रयागराज से जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के बीच विमानों के आवागमन के लिए अपना रूट सर्वे पूरा कर लिया है। संगम नगरी और औद्योगिक नगरी नोएडा के बीच हवाई सफर का सपना अब हकीकत बनने की दहलीज पर है। विमानन कंपनी इंडिगो ने प्रयागराज से जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के बीच विमानों के आवागमन के लिए अपना रूट सर्वे पूरा कर लिया है। नागर विमानन निदेशालय (डीजीसीए) की अनुमति मिलने पर जून के आखिरी हफ्ते में सेवा शुरू हो सकती है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से विमानों का संचालन अगले माह 15 जून से शुरू होने जा रहा है। विभागीय सूत्रों का कहना है जून के अंतिम सप्ताह में जेवर के लिए विमानों की आवाजाही शुरू हो सकती है। इंडिगो इस रूट पर अपने आधुनिक एयरबस श्रेणी के विमानों को उतारने की योजना बना रहा है। इस नई हवाई सेवा के शुरू होने से नोएडा समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश और दिल्ली एनसीआर जाने वाले यात्रियों को राहत मिलेगी। एयरबस के संचालन से महज सवा से डेढ़ घंटे में यात्री नोएडा पहुंच सकेंगे। विमानन कंपनी जल्द ही समय सारिणी और किराये की घोषणा कर सकती है। एयरपोर्ट निदेशक राजेश चावला का कहना है कि जेवर के लिए सीधी विमान सेवा शुरू तो होनी है लेकिन उसके संचालन की तिथि अभी तय नहीं है। वहीं, वर्तमान में प्रयागराज से दिल्ली के लिए इंडिगो छह दिन सीधी उड़ान संचालित कर रही है। इसके अलावा एलाइंस एयर की भी सप्ताह में दिल्ली के लिए दो दिन सीधी उड़ान है।

गैंगस्टर एक्ट के आरोपी को हाईकोर्ट से अंतरिम राहत, गिरफ्तारी पर लगाई रोक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गैंगस्टर एक्ट के तहत दर्ज एक मामले में अंतरिम राहत देते हुए आरोपी की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा कि मामले में गंभीर कानूनी सवाल उठाए गए हैं, जिन पर विचार किया जाना आवश्यक है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गैंगस्टर एक्ट के तहत दर्ज एक मामले में अंतरिम राहत देते हुए आरोपी की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा कि मामले में गंभीर कानूनी सवाल उठाए गए हैं, जिन पर विचार किया जाना आवश्यक है। यह आदेश न्यायमूर्ति राजीव गुप्ता एवं न्यायमूर्ति लक्ष्मी कांत शुक्ला की खंडपीठ ने शुभम पांडे की जमानत अर्जी पर दिया। आरोपी शुभम पांडे के खिलाफ चंदौली के सदर थाने में गैंगस्टर एक्ट के तहत 16 मार्च 2026 को एफआईआर दर्ज हुई है। याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि एफआईआर उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) नियमावली 2021 के नियमों का उल्लंघन कर दर्ज की गई है। इसलिए यह कानूनन अवैध है और इसे रद्द किया जाना चाहिए। उन्होंने हाईकोर्ट के पूर्व के एक निर्णय कमलवीर सिंह बनाम उत्तर प्रदेश राज्य (2025) का हवाला भी दिया। राज्य सरकार की ओर से पेश अपर शासकीय अधिवक्ता ने जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया।

संक्षिप्त

गांव से सीधे बाजार, सरकार के सहयोग व तकनीक से ग्रामीण महिलाएं स्वावलंबी

लखनऊ (संवाददाता)। यूपी के गांवों में महिलाएं केवल घरेलू काम और पशुपालन तक सीमित नहीं हैं बल्कि आधुनिक टेक्नोलॉजी, संगठित दुग्ध व्यापार के जरिए सीधे बाजार से जुड़कर आर्थिक आत्मनिर्भरता के नए कीर्तिमान गढ़ रही हैं। सीएम की योजनाओं और प्रशिक्षण मॉडल का असर यह है कि केवल अवध क्षेत्र में दुग्ध कारोबार से 18 हजार से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं।योगी सरकार द्वारा तैयार किए गए पारदर्शी दुग्ध नेटवर्क के जरिए गांवों में कारोबार करने वालों को बिचौलियों से मुक्ति मिल गई है। अब दूध की गुणवत्ता जांच से लेकर भुगतान और बिक्री तक का पूरा हिसाब तकनीक के जरिए संचालित हो रहा है। मोबाइल एप और डिजिटल सिस्टम के माध्यम से महिलाएं गांव से ही सीधे बाजार व्यवस्था से जुड़ रही हैं। ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए दुग्ध क्षेत्र में बड़े स्तर पर योजनाएं लागू की गईं। अवध क्षेत्र में सवा लाख से अधिक महिलाओं को आधुनिक दुग्ध उत्पादन, गुणवत्ता प्रबंधन और डिजिटल भुगतान प्रणाली का प्रशिक्षण देकरआत्मनिर्भर बनाया गया है।महिला स्वामित्व वाली सामर्थ्या मिल्क प्रोड्यूसर कम्पनी के जरिए महिलाओं को कारोबार में तमाम सुविधाएं मिलने लगी हैं। महिला दुग्ध उत्पादकों को हर दस दिन में सीधे मात्र तीन वर्षों के भीतर सवा लाख से अधिक महिला सदस्य इस नेटवर्क से जुड़ चुकी हैं। इनके माध्यम से प्रतिदिन लगभग चार लाख लीटर से ज्यादा दूध का संग्रहण किया जा रहा है।

अजय राय ने हजरतगंज में दक्षिणमुखी हनुमान के दर्शन किए

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने शनिवार को बजरंगबली के दर्शन किए। वह अस्पताल से वापसी के बाद परिवार सहित घर से सीधे हजरतगंज स्थित दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने पत्नी और बेटी के साथ हनुमानजी की पूजा की। बजरंगबली के सामने मत्था टेका। राय ने दर्शन–पूजन के बाद कहा हम सब लोग ईश्वरवादी हैं। महादेव महाकाल की कृपा, बजरंगबली की कृपा हम सभी पर। ज्यादा तबीयत खराब होने के बावजूद स्वस्थ हुआ। इन्हीं की कृपा से ठीक हूं, यहां खड़ा हूं। अस्पताल से छुट्टी के बाद आज पहली बार घर से निकला तो यहीं आया। अजय राय ने कहा घर से सीधे हनुमान मंदिर बजरंगबली की शरण में पहुंचा हूं। यहां पूजा–अर्चना करने के बाद प्रदेश कार्यालय जाकर कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करूंगा। भगवान ने मेरी रक्षा की। महादेव और मोले बाबा की कृपा रही कि मैं आज स्वस्थ खड़ा हूं। ज्यादा तबीयत खराब होने के बाद भी आज बिल्कुल ठीक हूं, यह बजरंगबली का आशीर्वाद है। इस दुख की घड़ी में मुझे लोगों का प्यार और स्नेह मिला।

साझा सपने, साझा संस्कृति और सामूहिक शहादतें

लखनऊ (संवाददाता)। 10 मई 1857 स्वतंत्रता संग्राम के प्रथम सशस्त्र विद्रोह की 169वीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर व्याख्यान का आयोजन डॉ० रॉबिन वर्मा द्वारा किया गया। व्याख्यान में छात्रध्छात्राओं को डॉ० वर्मा बताया कि कैसे मेरठ शहर की सैन्य छावनी में मातादीन भंगी और गंगू मेहतर ने विद्रोही सेना के सैनिकों को बताया था कि बंदूकों में प्रयोग होने वाले कारतूसों में गाय और सूअर की चर्बी का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसकी जानकारी होने पर सैनिकों ने अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध विद्रोह कर दिया और विद्रोह की चिंगारी पूरे देश में फैल उठी। उन्होंने आगे बताया कि कैसे अवध में बेगम हजरत महल, राजा जय लाल सिंह, उदा देवी पासी आदि के नेतृत्व में अवध की विद्रोही सेना ने आठ महीने तक लखनऊ में अंग्रेजी सेना से लोहा लिया। जंग–ए–आजादी के निशान आज भी हमें रेजीडेन्सी, मूसा बाग और चिनहट आदि स्थानों पर देखें जा सकते हैं। इस मौके पर डॉ० मौसम मुबारक, निदेशक एससीडीआरसी डॉ० प्रदीप शर्मा, प्राक्टर प्रो० सै० मेहदी अब्बास जैदी, डॉ० तरून कांत त्रिपाठी, डॉ० हुज्जत रजा, डॉ० मेनका गिरी, डॉ० अली मेंहदी, डॉ० जेबा मेंहदी, अभिषेक श्रीवास्तव, राजकुमार सैनी, धर्मेन्द्र कुमार, विकास सक्सेना, इत्लेमाश हुसैन, शबाब हुसैन सहित प्रतिभागी छात्रध्छात्राओं उपस्थित रहे।

सफाईकर्मियों को नहीं मिली सैलरी एलएसए के खिलाफ सफाईकर्मियों ने नारे लगाए

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के कई वार्डों में सफाई व्यवस्था संभाल रही कंपनी लखनऊ स्वच्छता अभियान (एलएसए) के खिलाफ सफाईकर्मियों ने नारे लगाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि कंपनी किसी कर्मी को 300 तो किसी को 800 रुपए सैलरी भेज रही है। शनिवार को 100 से ज्यादा कर्मचारी 1090 के चौराहे के पास स्थित कंपनी के ऑफिस पर पहुंच गए। सफाई कर्मचारियों ने रै। कंपनी चोर है, एलएसए कंपनी हाय–हाय के नारे लगाए। कर्मचारियों ने आरोप लगाया है कि उनको सैलरी कम दी गई है। अप्रैल की सैलरी किसी को 300 रुपए मिली तो किसी को 800 रुपए भेजे गए। किसी–किसी कर्मचारी को 4000 रुपए तक भी भेजे गए हैं। सही सैलरी इससे ज्यादा है। प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों का कहना है कि समस्या बताने के बाद समाधान नहीं हो रहा है। नगर आयुक्त गौरव कुमार से अपनी समस्याओं के समाधान के लिए तत्काल कार्रवाई करने की मांग रखी। एलएसए के प्रोजेक्ट हेड अभय रंजन ने बताया कि थंब इंप्रेशन से अटेंडेंस लगाना अनिवार्य है। इन कर्मचारियों की हाजिरी नहीं लगने के कारण सैलरी नहीं आई है। 15 से 20 कर्मचारियों की सैलरी की समस्या हुई है। बातचीत चल रही है।

शादी के डेढ़ साल बाद विवाहिता ने लगाई फांसी, पति करता था मारपीट

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के विकास नगर इलाके में विवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। पति ने कॉल करके लड़की के भाई को फांसी लगाकर आत्महत्या करने की जानकारी दी। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है दूसरी महिला से संबंध हो जाने का लड़की विरोध करती थी। जिसके चलते उसकी हत्या कर दी गई। परसपुर गोंडा निवासी नायब सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बेटी साक्षी सिंह का शादी घुंघटेर बाराबंकी निवासी सूरज सिंह पुत्र राजेश सिंह से 25 नवंबर 2024 को की थी। शादी में लड़के वालों की मांग के अनुसार दान–दहेज दिया था। लेकिन शादी के कुछ दिन बाद से ही दामाद सूरज सिंह बेटी साक्षी सिंह को कम दहेज लाने के लिए प्रताड़ित करने लगा।

भयहरण नाथ धाम में 9वां सामाजिक सत्याग्रह आज

राजस्व विभाग पत्थर गाड़ कर करेगा चिन्हांकन

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम की भूमि को कब्जा व निहित स्वार्थ से मुक्ति हेतु 9वां सामाजिक सत्याग्रहष् प्रबन्ध संस्था भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के नेतृत्व में आज 10 मई 2026 को श्सीमांकन संकल्प दिवसष् के रूप में आयोजित है। सत्याग्रह का मकसद धाम को कब्जा मुक्ति करके विकसित करने की प्रस्तावित योजना को मूर्त स्वरूप देना है। समाधान होने तक सत्याग्रह निरंतर 15 मार्च 2026 से प्रत्येक रविवार को जारी है। धाम के महासचिव व सत्याग्रह के संयोजक समाज शेखर ने बताया कि धाम को कब्जा मुक्ति तक रचनात्मक संघर्ष जारी रहेगा साथ ही धाम व समाज की नियमित गतिविधियां सुव्यवस्था के साथ होती रहेंगी। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में मलमास मेला गत वर्षों की भाँति संचालित होगा। उन्होंने कहा कि कुछ लोग भूमि के लालची लोगों के प्रभाव व निहित स्वार्थ में सरकारी व सार्वजनिक संपत्ति को अपने अस्तित्व के लिए लगातार नुकसान पहुँचाते हैं, पेड़ों को बिना अनुमति के काटते हैं तथा मन्दिर की पवित्रता को खतरे में डालते हैं। ऐसी प्रवृत्ति को बढ़ावा नहीं दिया जा सकता। आज के सत्याग्रह में धाम में ष्अधिक मास मेला 17 मई से 15 जून 2026ष् एवं 5 जून को ष्पर्यावरण सम्मेलनष्तथा श्रीमद भागवत कथा 9 जून से 16 जून तकष्आयोजित होने वाले समस्त कार्यक्रम व व्यवस्था की चर्चा व समीक्षा करके योजना को अंतिम रूप दिया जायेगा। साथ ही राजस्व विभाग के कार्यों में सहयोग प्रदान किया जायेगा।

फार्मर रजिस्ट्री में 2.23 करोड़ से अधिक किसानों का पंजीकरण

लक्ष्य का 77.43 फीसदी कार्य पूरा, किसानों की डिजिटल पहचान की ओर बढ़ रहा यूपी डिजिटल कृषि व्यवस्था को मिल रही मजबूती

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश तेजी से डिजिटल कृषि व्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ रहा है। किसानों को सरकारी योजनाओं का पारदर्शी, त्वरित लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रदेश में चल रही फार्मर रजिस्ट्री अभियान ने बड़े स्तर पर परिणाम देना शुरू कर दिया है। राज्य सरकार की सक्रिय पहल के चलते 2.23 करोड़ से अधिक किसानों का पंजीकरण किया जा चुका है, जो केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य का 77.43 प्रतिशत है। फार्मर रजिस्ट्री अभियान की शुरुआत 5 नवंबर 2024 को की गई थी। केंद्र सरकार ने यूपी के लिए 2,88,70,495 किसानों के पंजीकरण का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्तमान प्रगति के अनुसार अब तक 2,23,54,644 किसानों का नामांकन किया जा चुका है, जबकि 65,15,851 किसानों का पंजीकरण शेष है।योगी सरकार ने अभियान को मिशन मोड में संचालित करते हुए जिला प्रशासन, राजस्व विभाग, कृषि विभाग और पंचायत स्तर के कर्मचारियों को तेजी से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए हैं। सरकार का उद्देश्य किसानों का एकीकृत डिजिटल डाटाबेस तैयार करना है, जिससे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, कृषि अनुदान, ऋण सुविधा और अन्य योजनाओं का लाभ सीधे और पारदर्शी तरीके से मिल सके।सरकारी आंकड़ों के अनुसार 6 जून 2026 तक लक्ष्य पूरा करना है। वर्तमान प्रगति के आधार पर किसानों की आईडी निर्माण प्रक्रिया 108 दिनों में यानि 22 अगस्त तक पूर्ण होने का अनुमान है।योगी सरकार की प्राथमिकता पंजीकरण तकसीमित नहीं है, भूमि और किसानों के रिकॉर्ड को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाना भी है। "अंश निर्धारण" का कार्य तेजी से चल रहा

है। उत्तर प्रदेश में अंश निर्धारण का कार्य 87.19 प्रतिशत हो चुका है। इससे भूमि रिकॉर्ड की शुद्धता बढ़ेगी और भविष्य में विवादों को कम करने में मदद मिलेगी।विभागीय अधिकारियों के अनुसार फार्मर रजिस्ट्री उत्तर प्रदेश की कृषि व्यवस्था में बड़ा बदलाव ला सकती है। इससे सरकार को वास्तविक किसानों की पहचान , योजनाओं की मॉनिटरिंग करने और कृषि आधारित नीतियों को अधिक प्रभावी बनाने में सहायता मिलेगी।

किसानों को सरकारी सहायता प्राप्त करने में आसानी होगी।योगी सरकार तकनीक आधारित प्रशासन को बढ़ावा दे रही है। डिजिटल गवर्नेंस, ऑनलाइन सेवाओं और डेटा आधारित योजना क्रियान्वयन के जरिए उत्तर प्रदेश को आधुनिक और पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ाया जा रहा है। फार्मर रजिस्ट्री अभियान को इसी व्यापक परिवर्तन का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है, जो आने वाले समय में प्रदेश के करोड़ों किसानों के लिए लाभकारी साबित हो सकता है।

लखनऊ से अवैध बंगलादेशी हटाए जाएं, महापौर बोलीं, बिजली कनेक्शन की जांच हो

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ महापौर ने शनिवार सुबह शहर के कई जोन में साफ–सफाई का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जोन–4 स्थित निशातगंज पेपर मिल कॉलोनी के पास अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों को तत्काल हटाने के निर्देश दिए। जोन–4 में ही वेंडिंग जोन पहुंचीं तो वहां गंदगी दिखीं। यह देखते ही वह गुस्से में भड़क गईं। उन्होंने मौके पर मौजूद नगर निगम के अधिकारियों को फटकार लगाई। निशातगंज में बांग्लादेशियों के मामले में उन्होंने यह भी कहा कि इनको दिए गए बिजली कनेक्शन की जांच कराई जाए।

निरीक्षण के दौरान महापौर सुषमा खर्कवाल के साथ नगर आयुक्त गौरव कुमार भी मौजूद थे। जोन–3, 4, 5 और 7 में घूमते हुए दोनों ने आम लोगों से भी सफाई व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। जोन–4 स्थित मॉडल वेंडिंग जोन में गंदगी मिलने पर महापौर ने अधिकारियों को फटकार लगाई। यहां पर लगातार गंदगी की शिकायत मिल रही थी। आज मेयर पहुंचीं तो उन्होंने भी गंदगी देखी। महापौर ने कहा कि जोनल सेनेटरी ऑफिसर पंकज शुक्ला को सफाई व्यवस्था सही करने के निर्देश दिए गए। चेतावनी दी कि लापरवाही पर एक्शन लिया जाएगा।

उत्तर मध्य रेलवे

No. CC-6/E-Auction/Commercial Publicity/2025 — दिनांक: 08.05.2026

ई-नीलामी के लिए सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा निम्नलिखित ई-नीलामी बोलियां आमंत्रित की गयी हैं।

पार्सल (लीजिंग)

S. N.	Compartment	Train No.	CC (in tonnes)	From-To	Frequency (in a week)	E-Auction catalogue No.	E-Auction Start Date & Time
1	FSLR-1	22443	3.9	CNB-BDTS	01 days	PRYJ-PRCL-26-01	11.06.2026, 11:30 Hrs
2	FSLR-RSLR	04125	3.9	SFG-BDTS	01 days	PRYJ-PRCL-26-01	11.06.2026, 11:30 Hrs
3	FSLR-1	22442	4.0	CNB-CKDT	07 days	PRYJ-PRCL-26-02	21.05.2026, 11:30 Hrs
4	RSLR-1	12275	3.9	PRYJ-NDLS	04 days	PRYJ-PRCL-26-02	21.05.2026, 11:30 Hrs
5	FSLR-1	12944	3.9	CNB-BL	01 days	PRYJ-PRCL-26-01	11.06.2026, 11:30 Hrs
6	FSLR-1	14117	3.9	PRYJ-BNW	07 days	PRYJ-PRCL-26-01	11.06.2026, 11:30 Hrs
7	VP	12451/52	14	PRYJ-NDLS	07 days	PRYJ-PRCL-26-03	22.05.2026, 11:30 Hrs

पार्किंग

क्रम	वाणिज्य विज्ञापन का विवरण	ई-आक्शन कैटलाग संख्या	ई-आक्शन प्रारंभ तिथि एवं समय
1	प्रयागराज रेलवे स्टेशन (सिटी साइड) पर 07 माह हेतु दो पहिया, तीन पहिया एवं चार पहिया वाहन पार्किंग स्टैंड का ठेका उपलब्ध।	PRKING-PRYJ-MX	12.05.2026 at 10:00
2	फिरोजाबाद रेलवे स्टेशन पर 03 वर्ष हेतु दो पहिया, तीन पहिया एवं चार पहिया वाहन पार्किंग स्टैंड का ठेका उपलब्ध।	PRKIG-FZD-MX-26	15.05.2026 at 11:30
3	मिर्जापुर रेलवे स्टेशन (द्वितीय प्रवेश) एवं नैनी रेलवे स्टेशन पर 03 वर्ष हेतु दो पहिया, तीन पहिया एवं चार पहिया वाहन पार्किंग स्टैंड का ठेका उपलब्ध।	PRKING-MZP-NYN	20.05.2026 at 11:00
4	विंध्याचल रेलवे स्टेशन एवं मैनपुरी रेलवे स्टेशन पर 03 वर्ष हेतु दो पहिया, तीन पहिया एवं चार पहिया वाहन पार्किंग स्टैंड का ठेका उपलब्ध।	PRKIG-MNQ-BDL	23.05.2026 at 11:00

नोटः- इच्छुक बोलीदाता अधिक जानकारी के लिए, ई-नीलामी में भाग लेने के लिए आधिकारिक वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जा सकते हैं। 1043/26 (ADM)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

पत्र सं.:- ई/हित/आयुर्वेदिक परामर्शदाता — दिनांकः 06.05.2026

अनुबंध के आधार पर एक (01) आयुर्वेदिक परामर्शदाता की नियुक्ति

केन्द्रीय अस्पताल उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज में अनुबंध के आधार पर एक (01) आयुर्वेदिक परामर्शदाता की नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं, जो हमारी वेबसाइट ncr.indianrailways.gov.in->Divison->Prayagraj Division->Personnel->RECRUITMENT INFORMATION एवं https://ncr.indianrailways.gov.in//view_section.jsp?lang=0&id=0,1,396,403,501 पर उपलब्ध शर्तों और नियमों पर आधारित हैं।

इच्छुक उम्मीदवार कार्मिक शाखा, डी.आर.एम. कार्यालय, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज के कल्याण अनुभाग में निर्धारित प्रोफार्मा में अपने आवेदन दिनांक 19.05.2026 तक समय 10.00 बजे से 17.00 बजे तक जमा कर सकते हैं, आवेदन मेलः welfarencr2490@gmail.com पर ऑनलाइन भी भेजे जा सकते हैं।

सहायक कार्मिक अधिकारी
उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज

1028/26 FA

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. : CEN-2025-26-13 — दिनांक : 07.05.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य (इंजी0)/निर्माण-I/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज द्वारा निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिए ई निविदायें निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 07.06.2026 के समय 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदाओं का विवरण इस प्रकार है।

निविदा नं0 : CEN-2025-26-13	अनुमानित मूल्य (रू0) : 239280611.28
कार्य का विवरण : प्रयागराज में सीएओ/सी और सीएओ/सी/आरडब्ल्यूपी उत्तर मध्य रेलवे के अधीन एनसीआर की परियोजनाओं की निगरानी के लिए परियोजना कार्यालय का निर्माण।	
बयाने की रकम (रू.) : 4785600.00	कार्य समापन की अवधि : 18 माह
निविदा बंद होने की तिथि : 19.05.2026 15:00 hrs	
निविदा खुलने की तिथि : 19.05.2026 15:30 hrs	
निविदा का प्रकार : ओपेन टेण्डर (दो पैकेट प्रणाली)	

नोट : 1. उपरोक्त ई निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 15:00 बजे तक निविदा भरने की तिथि दिनांक 19.05.2026 तक उपलब्ध है। 2. उपरोक्त सभी निविदाओं में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको IT Act-2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. ई टेण्डरिंग के लिये धरोहर राशि (EMD) एवं निविदा प्रपत्र मूल्य का भुगतान केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार होगा। 4. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 5. निविदा की राशि 10 करोड़ से अधिक होने पर संयुक्त उद्यम (जे.वी.) पर विचार किया जायेगा। 6. संलग्न किये जाने सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। 7. सभी निविदाओं हेतु निविदादाता अपनी निविदा के साथ निर्धारित प्रोफार्मा पर एक प्रमाण-पत्र, जैसा निविदा प्रपत्र में उल्लिखित है, प्रस्तुत करेंगे, जिसके अभाव में उनकी निविदा अविचारणीय होगी तथा निरस्त कर दी जायेगी। 8. निविदा दस्तावेज में उल्लिखित योग्यता/मानदण्डों को पूरा करने के दावे के समर्थन में अपलोड किये गये दस्तावेजों/प्रमाण-पत्रों की प्रतिलिपियों पृष्ठ को टेण्डरर फर्म के निविदाकार या अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा स्वयं प्रमाणित/डिजिटल हस्ताक्षरित किया जायेगा। स्वयं प्रमाणन में हस्ताक्षर, मोहर और तारीख (प्रत्येक पृष्ठ पर) अंकित होनी चाहिये। केवल वे दस्तावेज जिन्हें निविदाकार द्वारा स्पष्ट रूप से घोषित किया गया है कि निर्धारित पात्रता मानदण्डों की अर्हता प्राप्त करने के दावे का समर्थन करने वाले दस्तावेज हो हैं उनकी निविदा का मूल्यांकन करने के लिये विचार किया जायेगा। निविदाकार द्वारा दी गयी किसी भी गलत जानकारी के मामले में अनुबन्ध समाप्त कर दिया जायेगा एवं धरोहर राशि, परफारमेंस गारण्टी और सिक्योरिटी डिपाजिट जब्त कर ली जायेगी और भारतीय रेलवे में एजेंसी पर 2 (दो) वर्ष तक कोई भी व्यवसाय करने पर प्रतिबन्ध लगा दिया जायेगा। 9. सरकारी अधिकारियों द्वारा समय-समय पर जारी जी.एस.टी. अधिनियम और सरकार/सम्बन्धित प्राधिकरण द्वारा समय समय पर जारी किये गये नियम लागू होंगे। 10. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 11. निविदा आनलाइन दिनांक 19.05.2026 को समय 15:00 बजे तक सबमिट किया जा सकता है तथा निविदा 15:30 बजे उसी दिन खोली जायेगी। 1034/26 (C)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

फूल कहते हैं जिसको

मलयालम 'पुष्पं' कहे, तमिल 'मलर' दे नाम।
नेपाली में फूल कह, औषधि का लें काम।
औषधि का लें काम, कहें 'हुवु' कन्नड़ उसको।
हिन्दी–उर्दू साथ, फूल कहते हैं जिसको।
सुन लो कहें प्रदीप, ग़ज़ब का है यह आलम।
सिंधी कहते फूल, बताता है मलयालम।।

जापानी 'हाना' कहें, जर्मन कहते 'ब्लूम'।
कहे चिचेवा 'मालुवा', लगते हैं मासूम।
लगते हैं मासूम, 'ब्लोम' डच कहता जिसको।
कहे खमेर 'पखा' जिसे, 'गुल' कहे कुर्दिश उसको।
सुन लो कहें प्रदीप, फूल की सुनो कहानी।
भाषाई का मेल, बताते हैं जापानी।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

स्वस्थ मां स्वस्थ समाज और समृद्ध भविष्य की आधारशिला

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल गांव–गांव में बदलाव की नई तस्वीर पेश कर रही है। प्रदेश के एक लाख 90 हजार आंगनवाड़ी केंद्र अब केवल पोषाहार वितरण केंद्र नहींबल्कि गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण और सुरक्षित मातृत्व के मजबूत आधार बन चुके हैं। प्रदेश में 2 करोड़ 12 लाख बच्चे, गर्भवती एवं धात्री महिलाएं अनुपूरक पुष्टाहार योजनाओं से लाभान्वित हुई हैं और गर्भवती महिलाओं में एनीमिया की दर में पांच प्रतिशत से अधिक की कमी दर्ज की गई है। संस्थागत प्रसव का प्रतिशत 84 से अधिक पहुंचना भी मातृ सुरक्षा अभियान की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।योगी सरकार ने आंगनवाड़ी केंद्रों को आधुनिक तकनीक से जोड़ते हुए अनुपूरक पुष्टाहार वितरण में बायोमीट्रिक प्रणाली लागू की है। इससे पोषाहार वितरण प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनी है।

कुपोषण या पोषण स्थिति की सटीक पहचान के लिए सभी आंगनवाड़ी केंद्रों को चार प्रकार के ग्रोथ मॉनीटरिंग डिवाइस और मोबाइल फोन उपलब्ध कराए गए हैं। पोषण ट्रैकर के माध्यम से गर्भवती महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य की लगातार निगरानी की जा रही है। पोषण ट्रैकर के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए एक लाख से अधिक आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों, एएनएम को प्रशिक्षित भी किया गया। कार्यकुशलता मापन में 98 प्रतिशत उपलब्धि को अभियान की बड़ी सफलता माना जा रहा है। प्रदेश में 23 हजार से अधिक सक्षम आंगनवाड़ी केंद्र आधुनिक सुविधाओं के साथ संचालित हो रहे हैं, जबकि 266 नए आंगनवाड़ी केंद्रों को भी स्वीकृति दी गई है।प्रदेश में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत 60 लाख से अधिक माताएं लाभान्वित हुई हैं।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.:- 74-डब्लू-सीएसपी-26-27-03 — दिनांकः 07.05.2026

खुली ई-निविदा सूचना

उप मुख्य इंजीनियर/कंक्रीट स्लीपर प्लान्ट, उमरे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिए ई-निविदा खुलने की निर्धारित तिथि को 11:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

निविदा नं.:- 74-W-CSP-26-27-03, कार्य का विवरणः सीएसपी/एसएफजी/पीआरवाईजे में संशोधित चौड़े स्टील स्ट्रेस बेंच, चौड़े आधार वाले मेन लाइन स्लीपर (RT-8746) मोल्ड आदि का निर्माण और आपूर्ति।	
अनुमानित मूल्यः ₹ 37.71 लाख	बयाने की रकमः ₹ 75,400.00
कार्य समापन की अवधिः 6 महीना	निविदा खुलने की तिथिः 30.05.2026

(1) उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड कर दिया जायेगा एवं खुलने की तिथि को 15:00 बजे तक उपलब्ध रहेगा। (2) उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I.T. Act-2000 के अन्तर्गत C.C.A. द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) निविदा की दरें पेज पर प्रविष्ट एवं डिजिटली हस्ताक्षरित विचारणीय होगा। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटरहेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। (4) संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदा कर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। निविदाकर्ता को IREPS Module पर Annexure-V ऑनलाइन प्रस्तुत करना आवश्यक है। (5) विस्तृत जानकारी के लिये कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड किये गये निविदा प्रपत्रों को देखें। (6) बयाने की राशि केवल नेट बैंकिंग अथवा गेटवे ई-भुगतान के रूप में ही स्वीकार की जायेगी। (7) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से संपर्क किया जा सकता है। (8) ऑनलाइन निविदा खुलने की तिथि को 15:00 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है, तथा उसी दिन 15:00 बजे के बाद खोली जायेगी। (9) माल और/सेवाओं के आपूर्तिकर्ता समय-समय पर लागू जी.एस.टी. अधिनियम और नियमों के अधीन होंगे। (10) रेलवे के पास, किसी भी टेण्डर को बिना कोई कारण बताए संशोधित/स्थगित करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा। (11) निविदाकर्ता को निविदा खुलने से पहले (सम्मिलित) अपलोड किये जाने वाले एनआईटी/निविदा दस्तावेज के शुद्धिपत्र/परिशिष्ट के लिए वेबसाइट पर नजर रखनी चाहिए, क्योंकि इसके लिए कोई अन्य सूचना नहीं दी जायेगी। 1033/26 (MG)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. 1820262027 — दिनांक : 08.05.2026

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक /इंजीनियरिंग /उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिये, निर्धारित प्रपत्र पर निम्नलिखित ई-निविदाएँ, दिनांक 03.06.2026 को 13:30 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्यों का विवरण निम्न प्रकार है:-

निविदा नं.: 66, कार्यों का विवरणः सहायक मंडल अभियंता / लाइन / प्रयागराज के अधीन क्षेत्र में सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन पर लाइन संख्या 2 एवं 3 को हटाकर नए आइलैंड प्लेटफॉर्म का निर्माण, साथ ही मौजूदा प्लेटफॉर्म संख्या 6 को स्थानांतरित करने एवं अन्य विविध कार्य।	
अनुमानित मूल्य (रू.): 13,20,06,509.01	बयाने की रकम (रू.): 26,40,100.00
कार्य समापन की अवधिः 18 (अठारह) माह, निविदा खुलने की तिथिः 03.06.2026, सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधारः कोई भी सिविल इंजीनियरिंग का कार्य।	
निविदा नं.: 67, कार्यों का विवरणः सहायक मंडल अभियंता / लाइन प्रयागराज के अधीन क्षेत्र में सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन पर स्टेबलिंग लाइनों के विकास हेतु अर्थवर्क एवं अन्य विविध कार्य।	
अनुमानित मूल्य (रू.): 2,48,92,522.33	बयाने की रकम (रू.): 4,97,900.00
कार्य समापन की अवधिः 18 (अठारह) माह, निविदा खुलने की तिथिः 03.06.2026, सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधारः फॉर्मेशन में मिट्टी का कार्य।	

नोटः 1. ई-निविदा प्रपत्र सभी निविदादाताओं को निःशुल्क निर्गत किये जायेंगे। 2. उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 13:30 बजे तक निविदा खुलने की निर्धारित तिथि 03.06.2026 तक उपलब्ध है। निविदा संख्या 66 के लिए टेन्डर प्रस्ताव टू पैकेट सिस्टम के माध्यम से ऑनलाइन प्रस्तुत किया जायेगा, (i) टेक्निकल बिड (ii) फाइनेंसियल बिड। 3. उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु टेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I.T.Act.2000 के अन्तर्गत C.C.A. द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 4. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटरहेड पर यदि संलग्न हैं, तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 5. निविदादाता अपनी निविदा के साथ निर्धारित प्रोफार्मा पर एक प्रमाण-पत्र, जैसा निविदा प्रपत्र में उल्लिखित है, प्रस्तुत करेंगे, जिसके अभाव में उनकी निविदा अविचारणीय होगी तथा निरस्त कर दी जायेगी। 6. माल एवं/अथवा सेवाओं के सप्लायर / ठेकेदार समय-समय पर निर्धारित जी. एस. टी. एक्ट तथा नियमों के अन्तर्गत होंगे। 7. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। 8. निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट www.ncr.indianrailways.gov.in पर भी अपलोड कर दिया गया है। 9. बयाने की राशि केवल नेटबैंकिंग अथवा गेटवे भुगतान के रूप में ही स्वीकार की जायेगी। 10. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 11. ऑनलाइन निविदा निविदा खुलने की तिथि 03.06.2026 को समय 13:30 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। 12. निविदादाता को जी.सी.सी. 2022 भाग-I के पैरा 10 से 19 के अनुपालन में उल्लिखित आवश्यक दस्तावेजों को निविदा के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न करना है अथवा उनकी निविदा अपूर्ण मानी जायेगी एवं तदनुसार अविचारणीय होगी। 1027/26 (D)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

सम्पादकीय.......

भय नहीं भविष्य की बातः मोदी

पांच राज्यों के चुनाव परिणामों के बाद भाजपा के मुख्य कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि यह बदला नहीं, बदलाव का समय है। अब भय की नहीं, भविष्य की बात होनी चाहिए। पीएम मोदी ने बंगाल की जनता को हिंसा मुक्त राजनीति का बड़ा संदेश दिया। मोदी ने साफ किया कि प्रचंड जीत के बावजूद भाजपा बदले की कार्रवाई के बजाय बदलाव और राज्य के विकास को तरजीह देगी। उन्होंने तृणमूल व माकपा का नाम लिए बगैर सभी दलों से इसमें सहयोग की अपील की। कहा कि किसने किसको वोट दिया है, यह देखने की बजाय सभी को मिलकर बंगाल की सेवा के लिए काम करना चाहिए। बंगाल में भय मुक्त वातावरण मोदी की गारंटी है। उन्होंने हिंसा, डर व निर्दोष लोगों की मौत से रहित चुनाव को अहम बताते हुए कहा कि पहली बार डर नहीं, लोकतंत्र जीता है। नरेन्द्र मोदी ने कहा कि यह कई मायनों में एक विशेष दिन है, क्योंकि यह देश के उज्ज्वल भविष्य का संकेत देता है। यह भारत के महान लोकतंत्र में विश्वास का दिन है, प्रदर्शन की राजनीति में विश्वास का दिन है, स्थिरता के संकल्प में विश्वास का दिन है और एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना में विश्वास का दिन है। मोदी ने कहा पिछले साल 14 नवंबर को जब बिहार चुनाव के परिणाम घोषित हुए थे, मैंने इसी स्थान से भाजपा कार्यकर्ताओं से कहा था कि गंगा बिहार से पश्चिम बंगाल के गंगासागर तक बहती है। आज बंगाल में इस जीत के साथ गंगोत्री (उत्तराखंड) से गंगासागर (बंगाल) तक कमल पूर्ण रूप से खिल गया है। उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार और बंगाल जैसे गंगा माता के आसपास के राज्यों में आज भाजपा–राजग की सरकारें हैं। मोदी ने कहा कि बंगाल में लोकतंत्र के इस उत्सव में भय नहीं, बल्कि लोकतंत्र की जीत हुई है। जब भाजपा ने बंगाल में जीत हासिल की है, तो 'बदले' की नहीं, 'परिवर्तन' की और 'डर' की नहीं, 'भविष्य' की बात होनी चाहिए। जीत और हार लोकतंत्र और राजनीति का स्वाभाविक हिस्सा हैं, लेकिन पांचों राज्यों की जनता ने दुनिया को दिखा दिया है कि क्यों हमारा देश लोकतंत्र की जननी है। हमारे लिए लोकतंत्र सिर्फ एक व्यवस्था नहीं है, यह हमारी रगों में बहने वाली परंपराओं की नदी है। आज न केवल भारत के लोकतंत्र की जीत हुई है, बल्कि भारत के संविधान की भी जीत हुई है। हमारी संवैधानिक संस्थाओं की जीत हुई है, हमारी लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की जीत हुई है। मोदी ने कहा कि बंगाल में लगभग 93 प्रतिशत मतदान अपने आप में ऐतिहासिक है। असम, तमिलनाडु, पुडुचेरी और केरलम में भी मतदान, के नए रिकार्ड बने हैं। चुनाव में महिलाओं की भागीदारी अधिक रही है। पांच राज्यों के चुनाव परिणाम आने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भाजपा मुख्य कार्यालय में भाजपा कार्यकर्ताओं को जो कहा वह भारतीय जन व जनता के प्रतिनिधियों और राजनीतिक दलों के लिए बुनियादी सिद्धांतों की तरह है। राजनीति में बदले की नहीं बदलाव की, भय की नहीं भविष्य की बात होनी चाहिए हार–जीत लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा। लोकतंत्र एक व्यवस्था नहीं हमारी रगों में है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भाषण जहां उनकी परिपक्व व सकारात्मक सोच को दर्शाता है वहीं उनके लोकतांत्रिक व्यवस्था में अटूट विश्वास को भी दिखाता है। मोदी ने भाजपा के कार्यकर्ताओं के माध्यम से देश के राजनीतिक दलों को भी बदले और भय की राजनीति से ऊपर उठकर बदलाव व भविष्य के प्रति कार्य करने का जो संदेश दिया है, अगर सभी राजनीतिक दल उस पर अमल करना शुरू कर दें तो देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था भी मजबूत होगी और देश का भविष्य भी उज्ज्वल होगा।

वाम लोकतांत्रिक मोर्चा के सामने मुश्किल चुनौती

पी. श्रीकुमारन

2026 के राज्य विधानसभा चुनावों में मिली करारी हार से वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) पूरी तरह से हिल गया है। लेकिन इस समय की सबसे बड़ी जरूरत यह है कि संकोच और निराशा की भावना को झटक दिया जाए और इस उदासी भरे माहौल से बाहर निकला जाए। हार के कारणों की पहचान करने और सुधार के कदम उठाने का काम अभी से शुरू हो जाना चाहिए। चार दशकों से भी ज्यादा समय में एलडीएफ का यह अब तक का सबसे खराब विधानसभा प्रदर्शन है। 1982 के बाद से हुए हर चुनाव में, एलडीएफ को कम से कम 43.5प्रतिशत वोट मिले थे। इससे पहले उसका सबसे कम वोट प्रतिशत 2016 में 43.48प्रतिशत और 2001 में 43.7प्रतिशत रहा था। इस बार पहली बार गठबंधन 40 प्रतिशत के आंकड़े से नीचे गिर गया है। 2026 में यह आंकड़ा 37.34प्रतिशत रहा। सीपीआई(एम) और सीपीआई दोनों को लगभग बराबर वोट शेयर मिले हैं– जिन सीटों पर उन्होंने चुनाव लड़ा, उनमें उन्हें लगभग 39प्रतिशत वोट मिले। लेकिन सहयोगी दल केरल कांग्रेस (एम) का प्रदर्शन बहुत खराब रहा और उसे एक भी सीट नहीं मिली। पार्टी जिन 12 सीटों पर चुनाव लड़ी, वे सभी सीटें वह हार गई। यहां तक कि पार्टी के प्रमुख जोस के. मणि भी पाला सीट से चुनाव हार गए। यह वही सीट है जिसे उनके पिता के.एम. मणि का गढ़ माना जाता था। एलडीएफके एक और घटक दल आरजेडी को एक सीट पर जीत मिली। जहां तक सीपीआई(एम) की बात है, पार्टी 77 सीटों पर चुनाव लड़ी, लेकिन उसे सिर्फ 26 सीटों पर ही जीत मिली। सीपीआई 24 सीटों पर चुनाव लड़ी थी, लेकिन उसे 2021 की 17 सीटों के मुकाबले इस बार सिर्फ 8 सीटों पर ही जीत मिली। इसके विपरीत, यूडीएफ ने 2026 के चुनावों में शानदार जीत हासिल की है। यूडीएफ को कुल 102 सीटें मिलीं, जो पिछले चुनाव के मुकाबले 62 सीटें ज्यादा हैं। कांग्रेस 92 सीटों पर चुनाव लड़ी और उसने 63 सीटों पर जीत हासिल की, जो 2021 के मुकाबले 42 सीटों की बढ़त है। पार्टी के वोट शेयर में 7.14प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और उसे कुल 45.03प्रतिशत वोट मिले। सहयोगी दल आईयूएमएल 27 सीटों पर चुनाव लड़ी और 22 सीटें जीती, जबकि 2021 में उसे सिर्फ 15 सीटें मिली थीं। केरल कांग्रेस 8 सीटों पर चुनाव लड़ी और उसने 7 सीटों पर जीत हासिल की। एक और सहयोगी दल आरएसपी, जिसे 2021 के चुनावों में एक भी सीट नहीं मिली थी, इस बार 4 में से 3 सीटों पर जीत हासिल करने में कामयाब रहा। यूडीएफ के अन्य घटक दलों– सीएमपी, केडीपी, और आरएमपी– को एक–एक सीट पर जीत मिली। जहां तक भाजपा की बात है, पार्टी ने एक बार फिर राज्य विधानसभा में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई और तीन सीटों पर जीत हासिल की। एनडीए के वोट शेयर में 1.79प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह बढ़कर 14.20प्रतिशत हो गया। पार्टी को छह विधानसभा सीटों पर दूसरा स्थान मिला। अब उन कारणों का विश्लेषण करने का समय आ गया है जिनकी वजह से एलडीएफ को इतनी बड़ी हार का सामना करना पड़ा। इस सूची में सबसे ऊपर है सत्ता–विरोधी लहर का जोरदार असर। इसका असर सबसे ज्यादा साफ दिखाई दिया। उतना ही अहम कारण था सीपीआई(एम) के कुछ नेताओं की बगावत, जोपय्यानूर, तलिपरम्बा और अंबलप्पुझा में पार्टी के उम्मीदवारों के खिलाफ चुनाव लड़े थे। इन तीनों ने ही भारी बहुमत से जीत हासिल की, जिससे सीपीआई(एम) खेमे में हड़कंप मच गया। अगला मुद्दा है अल्पसंख्यक वोटों का एलडीएफ से दूर होना– खासकर मुसलमानों के वोटों का। मुसलमानों ने एलडीएफ का साथ इसलिए छोड़ा, क्योंकि एलडीएफ नेताओं ने एसएनडीपी प्रमुख वेल्लापल्लीनटेसन द्वारा मुसलमानों के खिलाफ की गई तीखी और बेकाबू टिप्पणियों की आलोचना करने से इंकार कर दिया था। इस नाकामी की एलडीएफ को भारी कीमत चुकानी पड़ी। एक और वजह रही है कुछ एलडीएफ नेताओं का घमंडी सार्वजनिक रवैया। इससे लोगों के साथ एलडीएफ का जुड़ाव और कमजोर हुआ, और लोगों के मन में इस गठबंधन और सरकार के प्रति नफरत पैदा हो गई। जब तक गठबंधन के नेता इस हार से सही सबक नहीं सीखते, लोगों से उनका यह अलगाव और भी गहरा होता जाएगा। एक चौंकाने वाले घटनाक्रम में, आंकड़ों से पता चलता है कि सीपीआई(एम) के वोटों में 12.5 लाख से ज्यादा की कमी हुई। इनमें से लगभग चार लाख वोट भाजपा के खाते में चले गए, जिसके वोट शेयर में चार लाख वोटों की बढ़ोतरी देखने को मिली है! सरकार के खिलाफ लोगों की नाराजगी की लहर कितनी जोरदार थी, यह 13 मंत्रियों और एलडीएफ के संयोजक की हार से साफ जाहिर हो गया। एलडीएफ को पांच जिलों में एक भी सीट नहीं मिलीरू मलप्पुरम, वायनाड, एर्नाकुलम, कोट्टायम और इडुक्की। उसे कोझिकोड जैसे अपने मजबूत गढ़ों में भी चौंकाने वाला नुकसान उठाना पड़ा, जहां वह 13 में से सिर्फ 1 सीट ही जीत पाई। कोल्लम और तिरुवनंतपुरम– जो पहले उसके मजबूत गढ़ माने जाते थे– वहां भी गठबंधन का हश्र कुछ ऐसा ही रहा। एलडीएफ की इस करारी हार की एक बड़ी वजह यह है कि सीपीआई(एम) का पार्टी संगठन सरकार की कमियों को उजागर करने में नाकाम रहा।

भाजपा को परखने के औजार बदलने होंगे

राकेश सैन

भारतीय जनता पार्टी की बंगाल जीत ने केवल राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक विश्लेषकों का भी ध्यान आकर्षित किया है। सभी अपने–अपने मापदण्डों पर इस चुनाव परिणाम को परख रहे हैं परन्तु पुराने ढर्रों पर चलते हुए फिर से गलती पर गलती दोहराते लगते हैं। यहां के विपक्ष की मानें तो यह एसआईआर के प्रयोग से निकला विजयमार्ग है तो विदेशी विश्लेषक फिर से जिंगल बैल जिंदल बैल की तरज पर साम्प्रदायिकता का गीत गाने लगे हैं। इन पांच राज्यों के चुनाव परिणाम बताते हैं कि भाजपा ने कहीं पहली बार पांव जमाए हैं, कहीं वह फिर से सत्ता में आई है तो कहीं उसने अपना जनाधार बढ़ाया है। अगर केरल जैसे राज्य में वामपंथी दलों को भाजपा के प्रभाव के डर से अयप्पा के दर्शन करने पड़ें, भाजपा के लिए राजनीतिक रूप से बंजर कहे जाने वाले बंगाल में कमल की फसल लहलाने लगे, द्रविड़ राजनीति के केंद्र तमिलनाडू में उसकी आहट सुनने लगे यह सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि विरोधी इस दल को गलत औजारों से परख रहे हैं। विरोधी भूलते हैं कि देश का मतदाता मदिहीन नहीं है, वह सुशासन व विकास को अपनी पसंद बनाता जा रहा है। अगर कोई दल संविधान के अनुरूप काम करते हुए जनता की पसंद बन रहा है तो विरोधियों को भी अपनी सोच बदलनी होगी। भाजपा केंद्र और बहुत से राज्यों में वर्षों से शासन में है। अंधविरोध के चरम पर जा कर भी शासन व संवैधानिक व्यवस्था के किसी मान्य मापदण्ड पर विपक्ष अभी तक ऐसा कोई मुद्दा तराश नहीं पाया है जो जनता को भी मान्य हो। यहां तक कि प्रधानमंत्री कई बार चुटकी ले चुके हैं कि सार्वजनिक जीवन में विपक्ष उनकी कोई तथ्यात्मक आलोचना करने में असफल रहा है। दूसरी ओर पश्चिम बंगाल में भाजपा के सत्ता तक पहुंचते ही वैश्विक वैचारिक गलियारों में भी बेचौनी पैदा हो गई है। विदेशी मीडिया के बड़े हिस्से ने भारत में लोकतंत्र, अल्पसंख्यक अधिकार और चुनावी निष्पक्षता पर अचानक सवाल उठाने शुरू कर दिए। बीबीसी, न्यूयॉर्क टाइम्स, द गार्जियन और अल जजीरा जैसे मंचों पर फिर से यह विमर्श तेजी से गढ़ा जाने लगा कि भारत हिन्दू राष्ट्रवाद की ऐसी दिशा में बढ़ रहा है, जहां लोकतंत्र व बहुलता खतरे में है। विदेशी मीडिया में ज्यादा चर्चा बंगाल की है। सवाल यही है कि क्या चिंता वास्तव में लोकतंत्र की है या उस सियासी बदलाव की, जिसने दशकों पुराने वामपंथ और छद्मधर्मनिरपेक्षता के वैचारिक गढ़ को ध्वस्त कर दिया? जब भाजपा हारती है, तो विदेशी मीडिया भारत की लोकतांत्रिक परिपक्वता की तारीफ करता है, पर जैसे ही वह निर्णायक जनादेश लेकर आती है, तो लोकतांत्रिक प्रक्रिया संदेह और संस्थागत संकट की भाषा में बदल जाती है। श्रेष्ठभावना से ग्रसित पश्चिमी जगत कहीं यह तो नहीं मानता कि भारतीय मतदाताओं में राजनीतिक समझ का अभाव है? राष्ट्रवाद को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से लेकर अनेक विचारक स्पष्ट कर चुके हैं कि भारत का राष्ट्रवाद संकीर्ण पश्चिमी राष्ट्रवाद से सर्वदा विपरीत है। पश्चिमी मीडिया भारत को अक्सर यूरोपीय राजनीतिक अनुभवों के चश्मे से देखने की कोशिश करता है। वहां राष्ट्रवाद का अर्थ सत्ता विस्तार व नस्लीय वर्चस्व रहा है। जबकि भारत में राष्ट्रवाद सांस्कृतिक, सभ्यतागत पहचान और ऐतिहासिक आत्मबोध से जुड़ा है। इसे विदेशी मीडिया समझ नहीं पाता। इसीलिए वो हमारे सांस्कृतिक पुनर्जागरण को सीधे अल्पसंख्यक–बहुसंख्यकवाद से जोड़ देता है। यही कारण है कि बंगाल में भाजपा की जीत को पश्चिम के विश्लेषकों ने लोकतांत्रिक परिवर्तन के बजाय हिंदू राष्ट्रवादी कब्जे की तरह प्रस्तुत किया गया। एसआईआर पर अधसत्य दिखाते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने परिणामों के बाद वोट चोरी का आरोप लगाया। ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग को भाजपा का आयोग बताया। विदेशी मीडिया ने इन आरोपों को लगभग बिना तथ्य जांचे ही अपने विमर्श का आधार बना लिया।

विशेष रूप से एसआईआर को मुस्लिम मतदाताओं को हटाने की साजिश के रूप में पेश किया गया, जबकि हटाए गए 91 लाख नामों में 63 प्रतिशत हिंदू मतदाता थे। बड़ी संख्या में नाम मृत, डुप्लिकेट, स्थायी रूप से स्थानांतरित या फर्जी पाए गए थे। इसके बावजूद विदेशी मीडिया के बड़े हिस्से ने केवल मुस्लिम वोट हटाए गए वाली जिद को प्रमुखता दी। देसी–विदेशी विश्लेषक यह भूल गए कि जिन 20 सीटों पर जाँच के बाद सबसे ज्यादा वोट काटे गए थे, उनमें से ज्यादातर पर टीएमसी ने ही कब्जा जमाया है। इन सीटों में समशेरगंज, लालगोला, भगवानगोला, रघुनाथगंज, मटियाबुर्ज, सूती, मोथाबाड़ी, गोलपोखर, मालतीपुर, चोपड़ा, सुजापुर, राजारहाट न्यू टाउन और बशीरहाट उत्तर शामिल हैं। इन सभी 13 सीटों पर ममता बनर्जी की पार्टी को जीत मिली है। अन्य सीटों की बात करें तो फरक्का सीट पर सबसे ज्यादा 38,222 वोट काटे गए थे, लेकिन वहाँ से कॉन्ग्रेस ने जीत दर्ज की। वहीं भाजपा को जंगीपुर, रतुआ, करनदिघी, केतुग्राम, मानिकचक और मोंतेश्वर जैसी 6 सीटों पर जीत मिली।

सीमा वर्णिका की कलम से

दरोगा

प्रदीप सिंह की तीसरी पोस्टिंग गोलाघाट थाने में दरोगा के पद पर अभी कुछ दिन पूर्व हुई थी । कानपुर तो माफियाओं का बड़ा अड्डा बन चुका था। सफेदपोश दिखने वाले माननीय न जाने भीतर से कितने काले होते हैं। यह प्रदीप अपने पिछले दस वर्षों के सेवाकाल में भली–भांति जान चुका था ।

फाइलें पलटते– पलटते अनायास उसे बेटी की बातें याद आने लगीं। सुबह थाने आने के लिए तैयार होकर नाश्ता करने बैठा था। उसकी आठ वर्षीय बेटी पास आकर बैठ गई थी ष्पापा मुझे नया बैग चाहिए दो साल से यही ले जा रही हूँ बच्चे मुझे चिढ़ाते हैं।ष ष्पापा कल मैम कह रही थी पापा से बोलो फीस जमा कर देंष वह एक साँस में बोलती जा रही थी। इस वर्ष बेटे का भी एडमिशन इंजीनियरिंग कॉलेज में कराना था। उसने गहरी साँस ली और फिर से केस फाइल देखने लगा ।

साहब कोई आपसे मिलने आया है हवलदार रामदीन की आवाज से उसकी तंद्रा टूटी। भेजो उसने सिर झुकाए झुकाए अनमने भाव से कहा।

क्या मैं अंदर आ सकती हूँ? स्त्री की आवाज सुनकर उसने चौंक कर सिर उठाया। जी ... आइए.. बैठिए.. वह बोला। धन्यवाद श्रीमान कहते हुए वह कुर्सी खींच कर बैठ गई। जी बताएँ, वह उसकी तरफ मुखातिब होते हुए बोला। मैं शुभा पांडे एक कार्यालय में पिछले बीस वर्षों से कार्यरत हूँ... केलकर सर मैनेजमेंट में कुछ समय से आ गए हैं और वो ऑफिस की जमीन जो एक पॉश एरिया में है उसे, पास में हो रहा है अपने बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन में मिला लेना चाहते हैं कार्यालय से लगे एंप्लाइज के घर हैं यह सारी जमीन ट्रस्ट की है इस पर उनका कोई हक नहीं है। चूँकि मैंने कोर्ट से स्टे ले लिया वह हमसे नाराज होकर मेरे पीछे पड़ गए हैं। उल्टा मेरे ऊपर केस कर दिया है। वह अपनी बात एक साँस में बताती जा रही थी। वह तन्मयता से सब सुन रहा था। मैडम लगता है आपको झूठे केस में फँसाया गया है। आजकल तो ट्रेंड चल गया है। प्रदीप उससे बोला। जी सर आपने बिल्कुल सही समझा, शुभा की ऑखें आँसुओं से भर गई थीं और आवाज रुंध गई थी। प्रदीप का मन द्रवित हो उठा देखने से महिला संभ्रांत व अच्छे संस्कारों की दिख रही थी। इतने वर्षों में इतना तो इंसान को पहचानने लगा था। उसने शुभा को आश्वासन दिया। मैडम परेशान न हो मैं आपकी पूरी मदद करूँगा। आप बस हमें उनके खिलाफ सारे सबूत दे दीजिए हम उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दिलाएंगे। शुभा कुछ हद तक आश्वस्त हो गयी कि सब कुछ ठीक हो जाएगा।

थाने में शुभा का कुछ दिनों तक आना जाना लगा रहा। उसे उम्मीद होने लगी थी जल्दी ही काम हो जाएगा। हवलदार राजकुमार उसकी सारे क्रियाकलापों पर निगाह रखे था। आज उससे लगा कि दरोगा साहब उसके केस में दिलचस्पी ले रहे हैं। वह भूमाफिया केलकर का बंदा था उसने तुरंत केलकर साहब को फोन लगाया। ष्साहब शुभा मैडम आज फिर आई थीं दरोगा साहब से मिलकर गई हैं। लग रहा है काम हो जाएगा। आप देख लें दरोगा जी अभी यहाँ नए आएँ हैं। आप से परिचित नहीं है हवलदार राजकुमार बता रहा था। केलकर साहब ठहाका लगाकर हँसे, अरे! परिचित नहीं है तो हो जाएंगे, लेकर आ जाओ आज शाम की चाय पर हमारे घर

शुभा को कोर्ट से पता चला उसके खिलाफ विवेचक ने चार्जशीट लगा दी है। वह परेशान हो उठी। वह सोच रही थी कि उसने तो दरोगा जी को शीघ्र अति शीघ्र सभी सबूत और सुविधा शुल्क सब दे दिया था और उन्होंने स्पष्ट आश्वासन भी दिया था वह निश्चिंत थीघ। तो फिर ऐसा क्या हो गया... उसने दरोगा जी को फोन लगाया दरोगा जी ने उसका नंबर देख कर फोन काट दिया। वह क्या करता.. उसे अपनी व आपने बच्चों की जिंदगी और उनके जरूरतें भी तो देखनी थीं। उसने शुभा का नंबर ब्लॉक पर डाल दिया वह जवाब देने की स्थिति में नहीं था।

—सीमा वर्णिका,
कानपुर

बदला छूटा पीछे, बदलाव आया सामने

अरविन्द मोहन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस बात से असहमत होना मुश्किल है कि इस बार के विधान सभा चुनाव बदला के लिए नहीं बदलाव के लिए हुए थे और बदलाव हुआ है और यह भी कहा जा सकता है कि बदलाव के नायकों में खुद नरेंद्र मोदी और उनके सबसे भरोसेमंद बन चुके अमित शाह का नंबर सबसे ऊपर है। बदलाव तमिलनाडु में भी हुआ है और केरलम में भी। लेकिन बंगाल का बदलाव सबसे आगे है। असम में बदलाव नहीं हुआ तब भी वहां के नतीजे इसी बड़ी कहानी के साथ चलते हैं और वहां और कुछ नहीं तो अमित शाह और हेमंत बिस्व सरमा की जोड़ी ने कांग्रेस को ही काफी बदल दिया। इस बदलाव की जो और जैसी तैयारी मोदी शाह ने की थी और जिस तरह से उसे लागू किया उसके कई पक्षों की आलोचना हो सकती है लेकिन उससे ज्यादा आलोचना का पात्र विपक्ष रहा। सब कुछ देखकर पूरा का पूरा विपक्ष जिस तरह से चुनावी तैयारी से आंखें फेरे रहा और सिर्फ बदला की दिशा में कुछ काम हुए। जाहिर तौर पर मतदाताओं ने उसे नापसंद किया और मोदी–शाह के कदमों को शक–सुबहे के बावजूद स्वीकार किया। चुनाव परिणामों के बाद भाजपा की ताकत अपने शिखर पर पहुंची लगती है तो ममता बनर्जी, एम के स्टालिन और पिनराई विजयन जैसे तीन दिग्गज विपक्षी नेताओं की ढोल बाजे के साथ विदाई विपक्ष की राजनीति के लिए बड़ा झटका है। दो साल से भी कम अवधि में भाजपा ने लोक सभा चुनाव के झटके से उबरकर यह बड़ी सफलता पाई है। तब अपने दम पर बहुमत से दूर रह गई भाजपा ने अपने सांसदों से मोदी जी को नेता चुनवाने की जगह सीधे एनडीए सांसदों की बैठक में नेता का चुनाव कराना आसान माना क्योंकि उसे अपनी पार्टी के अंदर से मोदी–शाह–नड्डा के नेतृत्व पर सवाल उठाए जाने की आशंका थी। आज पार्टी के अंदर के विरोधियों या असहमतों की कौन कहे? विपक्ष का कोई नेता भी मोदी शाह के नेतृत्व को चुनौती देने की स्थिति में नहीं है। लोक सभा चुनाव के बाद अगर भाजपा का झंडा बुलंदी की तरफ गया है तो विपक्ष का गठबंधन बिखरा है, उसके नामलेवा मुश्किल से मिल रहे हैं। तमिलनाडु में काफी सिरफुटौव्वल के बाद इंडिया गठबंधन के दल साथ रहे लेकिन स्टालिन और राहुल गांधी के साथ प्रचार करना भी गवारा नहीं हुआ। कल नतीजे आने पर काफी सारे राजनैतिक पंडित यह हिसाब बताते दिखे कि अगर बंगाल में विपक्षी वोट को जोड़ लें तो वह भाजपा से काफी ज्यादा हो जाता है और कांग्रेस तथा तृणमूल का वोट भी भाजपा के बराबर पहुंच जाता है। लेकिन हमने ममता को सिर्फ भाजपा से ही श्बदलात्र लेते हुए देखा,उनको इंडिया गठबंधन या कोई दूसरी राजनीति याद नहीं आई। पंद्रह साल के शासन और खास तौर से भ्रष्टाचार के खिलाफ उपजी नाराजगी को ढंकने के लिए ममता एक रणनीति के तहत ही बदला की बात करती थीं और उन्होंने मतदाता सूची के पुनरीक्षण के सवाल को ऊपर कर के यह बदला लेने की सोची। उनकी सरकार के और उनके लोगों के काम किसी को नहीं बिसरे और न भाजपा ने बिसारने दिया। बीच चुनाव में सामने आए हुमायूं कबीर को हजार करोड़ की पेशकश को मुद्दा बनाना किसी को याद नहीं रहा लेकिन बरसों पहले के बलात्कार और भ्रष्टाचार के मामले चुनाव में मुद्दा बने। असम में विधान सभा सीटों का पुनर्गठन याद रहा लेकिन भ्रष्टाचार के मामले से लेकर जुबीन गर्ग की मौत के मामले को भुला दिया गया। एक नेता पर ऐसी निर्भरता दिखाई गई कि सारे कद्दावर लोग भाग गए तब भी किसी को सुध नहीं आई। केरल का बदलाव उतना बड़ा न हो पर उसमें भी वाम दलों की सरकार का भ्रष्टाचार और पिनराई की कार्यशैली नए बदलाव की जरूरत पैदा की।

असल में यह केरल की राजनीति में हर बार बदलाव का एक रुका हुआ क्रम था जो इस बार वापस आया है और भले ही कांग्रेस को एक राज्य मिल गया है लेकिन इससे कांग्रेस को ज्यादा खुश होने की जरूरत नहीं है। अब उसे तमिलनाडु की अपनी भूल पर पछतावा हो रहा होगा जो द्रमुक का साथ छोड़ने और दलपति विजय के साथ चुनाव लड़ने का न्यौता ठुकराने से जुड़ा है। बंगाल का बदलाव ज्यादा चर्चा पा रहा है लेकिन बिना किसी ज्यादा शोर–शराबे के तमिलनाडु जैसे राज्य में पचास साल बाद एक निर्णायक राजनैतिक बदलाव ला देना हर किसी को हैरान करने के लिए काफी था। बहुत ही अपरंपरागत तरीके से विजय ने यह जीत हासिल की है। इसमें लूट और भ्रष्टाचार के साथ परिवार की राजनीति को ठुकराने का तत्व था। लेकिन तमिलनाडु की अब तक चली राजनीति से रिश्ता खत्म करना नहीं था। द्रमुक से श्राजनैतिक विरोधश और भाजपा से श्वैचारिक विरोधत्र की समांतर लाइन में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के दल आते थे और अभी भी सरकार बनाने के क्रम में आएंगे लेकिन राहुल गांधी सहित सारे लोग स्टालिन के चमत्कार पर निर्भर रहे।

रचना सक्सेना के गीत

जीवन के दुष्कर पथ पर कुछ, स्वप्न अधूरे छूट गये।
पग से कंटक चुनते - चुनते, हद से ज्यादा टूट गये।।

पढ़ना लिखना हँसना रोना, बचपन खेल खिलौना था।
मात- पिता का प्यार मिला जो, सुख का वही बिछौना था।।
कड़ी धूप झुलसाने आयी, बचपन के दिन दूर गये।
जीवन के दुष्कर पथ पर कुछ, स्वप्न अधूरे छूट गये।।

जोश भरा था आँखों में यूँ, कोशिश थी कुछ करने की।
जिद थी मंजिल पाने की बस, भरी धूप में चलने की।।
जीवन की आपाधापी में, अपने हमसे रूठ गये।
जीवन के दुष्कर पथ पर कुछ, स्वप्न अधूरे छूट गये।।

बाधाओं से लड़ते - लड़ते, घुँघरू पाँवों के टूटे।
साथी जो अपने अच्छे थे, पथ में कुछ वो भी छूटे।।
नया मोड़ जीवन का आया, समय चक्र से चूक गये।
जीवन के दुष्कर पथ पर कुछ, स्वप्न अधूरे छूट गये।।

अनुभव की जब डोर हाथ में, क्षीण हुई तब यह काया।
मौत करे भयभीत हमेशा,मडराए सिर पर छाया।।
कुछ पाना कुछ खोना जीवन, देख पहेली बूझ गये।
जीवन के दुष्कर पथ पर कुछ, स्वप्न अधूरे छूट गये।।

रचना सक्सेना
प्रयागराज

‘मुझे किसी पर डिपेंड होने की जरूरत नहीं’

कृतिका कामरा

कृतिका कामरा अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल दोनों लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उनकी सीरीज ‘मटका किंग’ रिलीज हुई। साथ ही गौरव कपूर और उनकी शादी भी चर्चा में रही है। हाल ही में कृतिका कामरा ने अमर उजाला से खास बातचीत की है। कृतिका कामरा ने करियर की शुरुआत टीवी सीरियल से की थी, वह टीवी की टॉप एक्ट्रेसेस में से एक थीं लेकिन अचानक ही सबकुछ छोड़ दिया। टीवी से फिल्मों और वेब सीरीज की तरफ रुख किया। धीरे–धीरे वह यहां भी अपनी अलग पहचान बना चुकी हैं। हालिया रिलीज सीरीज ‘मटका किंग’ में वह विजय वर्मा के अपोजिट नजर आईं। साथ ही टीवी प्रेजेंटर गौरव कपूर से की गई उनकी सादगी भरी शादी भी खूब चर्चा में रही। कृतिका कामरा ने अमर उजाला डिजिटल अपने शुरुआती करियर, पर्सनल लाइफ को लेकर लंबी बातचीत की है। पढ़िए बातचीत के कुछ प्रमुख अंशरू खुश हूं कि कम उम्र में शादी नहीं कीकृतिका कामरा ने 37 साल की उम्र में गौरव कपूर से शादी की है। इतनी देर से शादी करने पर वह कहती हैं, ‘मैं बहुत खुश हूं कि कम उम्र में शादी नहीं की। कम उम्र में हमारी सोच अलग होती है। खासकर छोटे शहरों में लड़कियों की जल्दी शादी हो जाती है। मेरी कई दोस्तों की काफी पहले शादी हो चुकी है, उनके बच्चे भी हैं। ऐसे माहौल में करियर को उतनी अहमियत नहीं दी जाती। लेकिन मैं खुद को खुशनसीब मानती हूं कि मेरे पैरेंट्स ने मुझ पर कभी किसी तरह का दबाव नहीं डाला। उन्होंने कभी यह नहीं पूछा कि शादी कब करोगी? उन्होंने हमेशा मुझे और मेरे भाई को बराबरी से पाला है।’ वक्त के साथ प्यार को लेकर नजरिया बदल गया कृतिका कामरा बताती हैं कि टीनएज में उनकी सोच भी रोमांटिक किस्म की थी। लेकिन वक्त के साथ नजरिया बदल गया। वह कहती हैं, ‘टीनएज में हम जो देखते–सुनते हैं, उसी से हमारी सोच बनती है। फिल्में, गाने और आसपास का माहौल एक तरह का रोमांटिक नजरिया बना देते हैं। मैं खुद भी काफी रोमांटिक हूं। एक्टर होने के नाते ये चीजें और गहराई से महसूस करती हूं। लेकिन समय के साथ यह सोच बदलती है। आप अपनी जिंदगी के अनुभवों से सीखते हैं। अपने और दूसरों के रिश्तों को बनते–बिगड़ते देखते हैं और धीरे–धीरे चीजों को अलग नजरिए से समझने लगते हैं।वह आगे कहती हैं, ‘20 से 30 साल की उम्र में मैंने खुद को समझा। मैं कौन हूं? मुझे क्या चाहिए? और मेरी प्रायोरिटी क्या हैं? मेरे जैसे बैकग्राउंड से आने वाले इंसान के लिए यह सब जानना जरूरी था। दरअसल, हमें यह सब पहले से सिखाया नहीं जाता है। लेकिन मुझे खुद पर काम करना था, खुद में निवेश करना था। इसके बाद ही मैं अपनी जिंदगी के बड़े फैसले पूरी समझ और कॉन्फिडेंस के साथ ले पाई।’ मैं और गौरव दोनों सेल्फ–मेड हैं अपने लाइफपार्टनर गौरव कपूर के बारे में कृतिका कहती हैं, ‘अब मैं अपने आप को ज्यादा फ्री महसूस करती हूं। मैं लोगों की उम्मीदों पर खरी उतरने के लिए फैसले नहीं लेती हूं। मैं अपनी कंपनी एंज्वॉय करती हूं। मैं इमोशनली और फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट हूं। मुझे किसी पर डिपेंड होने की जरूरत नहीं है। गौरव भी मेरी तरह के इंसान हैं, वो भी सेल्फ मेड हैं। उन्होंने बहुत कम उम्र में काम करना शुरू किया और अपनी लाइफ खुद बनाई। वो मेरी जर्नी को समझते हैं। हम दोनों अपने अपने तरीके से इंडिपेंडेंट लोग हैं और अब एक हो गए हैं। अभी शादी को एक महीना ही हुआ है लेकिन ऐसा नहीं लगा कि बहुत कुछ बदल गया है। मैं जो जिम्मेदारियां पहले निभा रही थीं, वहीं हम दोनों मिलकर निभा रहे हैं।’ फिल्मी दुनिया से परिवार का नहीं था कोई नाता अपने करियर के शुरुआती दिनों को याद करते हुए कृतिका बताती हैं, ‘मैं एक छोटे शहर से आती हूं, जहां दूर–दूर तक किसी का एक्टिंग या फिल्मी दुनिया से कोई लेना–देना नहीं था। मेरी मम्मी प्रिंसिपल हैं और पापा डॉक्टर हैं। घर का माहौल बिल्कुल अलग था। हमने कभी फैमिली में आर्ट्स या परफॉर्मिंग आर्ट्स भी नहीं सीखा था। जब मैंने डिसाइड किया कि मुंबई आऊंगी, तो यह बात हमारी फैमिली और आसपास के लोगों के लिए बहुत बड़ी थी। अब तक किसी ने ऐसा किया नहीं था। हमारे लिए तो डॉक्टर, इंजीनियर या पायलट ही रोल मॉडल होते थे। इस एक्टिंग की फील्ड का कोई रोल मॉडल कोई नहीं था। फिर भी मैं मुंबई आई, यहां नई शुरुआत की। आज मुझे यहां पर 15 साल हो चुके हैं। आज भी सुबह उठकर शूट पर जाने के लिए बहुत उत्साहित रहती हूं।’ पीक पर छोड़ा था टीवी का करियर टीवी सीरियल की दुनिया में कृतिका कामरा ने बहुत जल्द पॉपुलैरिटी हासिल कर ली थी, उनका करियर पीक पर पहुंच गया था। फिर अचानक टीवी छोड़कर फिल्मों में आईं। इस पर कृतिका कहती हैं, ‘मेरी जिंदगी का दूसरा रिस्क तब था जब मैंने टीवी छोड़ा। उस वक्त मैं बहुत अच्छी पोजिशन में थी। मैं टेलीविजन में हिट हो चुकी थी। अच्छा पैसा मिल रहा था और अपने तरीके से काम करने की एक जगह बन गई थी। लेकिन उसी पीक पर मैंने वह सब छोड़ दिया। उस वक्त बहुत लोगों ने कहा कि यह बहुत बड़ा रिस्क है। इतना सिक्योर काम और पैसे छोड़ना ठीक नहीं है। लोग कहते थे कि टेलीविजन से बाहर निकलकर आगे बढ़ना आसान नहीं होता। कई लोग वहीं तक सीमित रह जाते हैं। अब उस बात को भी 10 साल से ज्यादा हो चुके हैं। मुझे लगता है कि ऐसा नहीं हुआ। मैंने कई प्रोजेक्ट्स किए, मुझे उन सभी के लिए प्यार मिला और मेरी एक फिल्मोग्राफी बनी है, जिसमें वैरायटी है। मुझे लगता है कि अभी भी बहुत कुछ करना बाकी है और चीजें एक पॉजिटिव डायरेक्शन में जा रही हैं।’ जीनत अमान को इंडस्ट्री में मानती हैं अपना इंस्पिरेशन कृतिका कामरा फिल्मी दुनिया में अपनी इंस्पिरेशन जीनत अमान को मानती हैं। वह कहती हैं, ‘जीनत अमान मेरे लिए आइकन हैं। वह सिर्फ मेरे ही नहीं, मेरे पापा की भी फेवरेट एक्ट्रेस रही हैं। बचपन से ही हम उनके गाने, उनका फैशन और फिल्में देखते आए हैं। मुझे वो हमेशा से बहुत पसंद हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर खुद को एक्सप्रेस करना शुरू किया है। यह देखकर मैं उनकी और भी बड़ी फैन हो गई हूं। उन्होंने अपने एक्टिंग करियर में भी लीक से हटकर काम किया है। अगर मेरे अंदर उनके विजन का दस प्रतिशत भी आ जाए तो बहुत बड़ी बात होगी।

करियर के पीक पर गजनी गर्ल आसिन ने अचानक छोड़ दिया बॉलीवुड...पहली ही फिल्म में कमाए 100 करोड़

बॉलीवुड में ऐसी बहुत सी एक्ट्रेस हैं, जिन्होंने इंडस्ट्री को बहुत सी हिट फिल्में दी हैं लेकिन कुछ समय बाद ही उन्होंने एक्टिंग को अलविदा कह दिया है। ऐसी हीरोइन चंद फिल्मों को करने के बाद भी लोगों के दिलों में बहुत जल्दी जगह बना लेती हैं। बॉलीवुड में भी एक ऐसा नाम है और वो है। गजनी फिल्म से घर–घर में पहचान बनाने वाली आसिन बहुत सालों से इंडस्ट्री से गायब हैं। बता दें कि असिन थोट्टुमकल अपने समय में पॉपुलर एक्ट्रेसेज में गिनी जाती थीं। बॉलीवुड में उनकी पहली फिल्म गजनी थी और पहली फिल्म में ही उन्होंने 100 करोड़ क्लब वाली फिल्मों में आकर इतिहास रच दिया। इसके बाद भी उन्होंने बहुत सी हिट फिल्में दीं लेकिन करियर के पीक पर आके उन्होंने एक्टिंग को अलविदा कह दिया। उनका यह फैसला पूरी इंडस्ट्री के लिए बेहद ही शॉकिंग था। एक्टिंग और फिल्मों के बाद उनकी लव स्टोरी ने भी काफी सुर्खियां बटोरीं। आपको बता दें कि 15 साल से ही आसीन ने इंडस्ट्री में अपना पैर रख दिया था और मलयालम फिल्मों के जरिये हर दिल में उन्होंने अपनी खास जगह बनाई। देखते ही देखते एक समय ऐसा आया कि हर कोई उनका दीवाना बनता गया और वो जल्द ही टॉप एक्ट्रेसेस की सूची में शामिल हो गईं। 2008 में उन्होंने बॉलीवुड में अपना कदम रखा और आमिर खान के साथ गजनी मूवी की। यह मूवी दर्शकों को इतनी पसंद आई की बॉक्स ऑफिस पर इसने 100 करोड़ से भी अधिक कमाई की। मलयालम के बाद बॉलीवुड में भी उन्होंने अपनी छाप छोड़ दी। इसके बाद इन्होने सलमान खान, अजय देवगन और अभिषेक बच्चन के साथ भी काम किया और वो सबसे ज्यादा खास बन गईं। हर कोई फेमस होने के बाद बहुत मेहनत करता है। इसी तरह की मेहनत असीन ने भी कि लेकिन जब वो फेमस हुई तो उन्होंने अचानक ही एक्टिंग को अलविदा बोल दिया। बड़े–बड़े लोग उनके साथ मूवी करने को तैयार थे लेकिन यह सब छोड़कर उन्होंने माइक्रोमैक्स के को–फाउंडर राहुल शर्मा से शादी कर ली। इसके बाद उनका सारा ध्यान अपनी फॅमिली में लग गया और वो नार्मल व्यक्ति की तरफ अपना जीवन जीने लगीं।

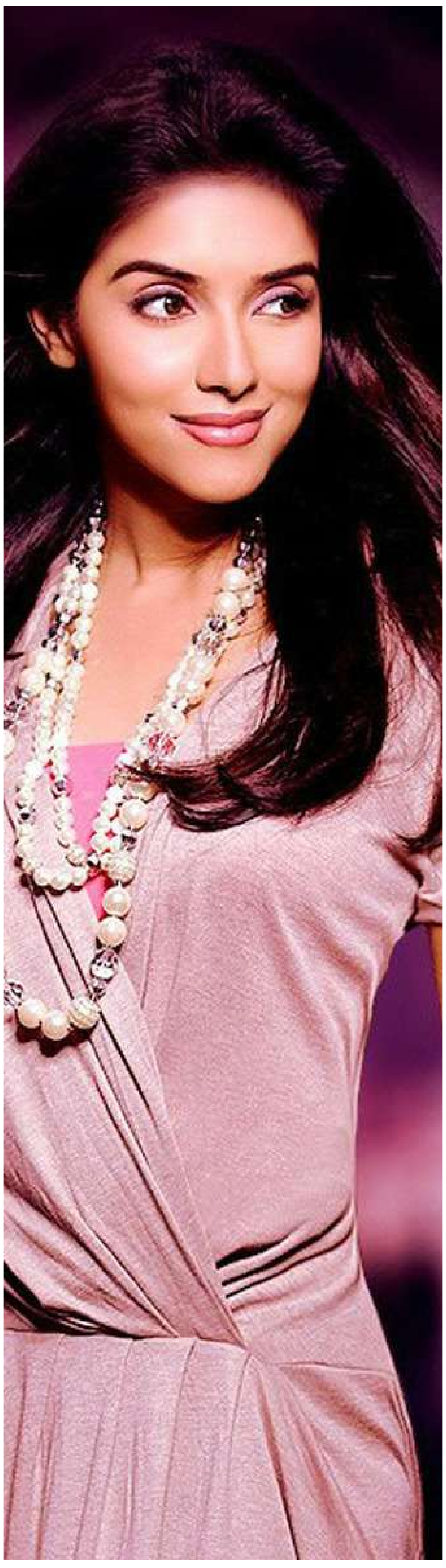

सलमान खान ने शुक्रवार को अपनी आने वाली फिल्म VC63 के मुहूर्त की कुछ झलकियां शेयर कीं। साथ ही बताया कि फिल्म ईद 2027 पर रिलीज होगी। इस फिल्म का डायरेक्शन वामशी पेडिपल्ली कर रहे हैं। सलमान ने इंस्टाग्राम पर एक रील वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह और नयनतारा दिख रहे हैं। वीडियो में एक क्लैपबोर्ड दिखाया गया है, जिस पर मुहूर्त लिखा है। सलमान ने कैप्शन में लिखा कि थोड़ा दूर की सोच रखनी चाहिए, इसलिए ईद 2027 की घोषणा की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि दूसरी फिल्म की जानकारी भी सही समय पर दी जाएगी और फैंस से धैर्य रखने को कहा। इस फिल्म से सलमान पहली बार डायरेक्टर वामशी पेडिपल्ली और प्रोड्यूसर दिल राजू के साथ काम करे रहे हैं। इस फिल्म को अस्थायी नाम दिया गया है। यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी। वामशी ने फिल्म ‘महार्षि’ ने नेशनल अवॉर्ड जीता था फिल्म के डायरेक्टर वामशी पेडिपल्ली बड़े स्केल पर फिल्में बनाने के साथ–साथ उनमें मजबूत इमोशनल कहानी पिरोने के लिए जाने जाते हैं। वामशी इससे पहले प्रभास (मुन्ना), जूनियर एनटीआर (बृंदावनम), महेश बाबू (महर्षि), राम चरण (येवडु) और विजय (वारिसु) जैसे सितारों के साथ काम कर चुके हैं।

बॉलीवुड की प्लेबैक सिंगर श्रेया घोषाल अक्सर किसी ना किसी गाने या फिर स्टेज शोज को लेकर चर्चा में रहती हैं लेकिन अब वह किसी गाने की वजह से नहीं बल्कि नई संपत्ति खरीदने की वजह से सुर्खियों में हैं. सिंगर को लेकर जानकारी सामने आ रही है कि उन्होंने मुंबई के सांताक्रूज में लग्जरी अपार्टमेंट खरीदा है, जिसकी कीमत करोड़ों में बताई जा रही है. सीआरई मैट्रिक्स प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन दस्तावेजों के अनुसार, सिंगर श्रेया घोषाल ने अपनी नई प्रॉपर्टी परिवार के सदस्यों के साथ खरीदी है. जानकारी के मुताबिक, श्रेया घोषाल ने अपने पेरेंट्स शर्मिष्ठा घोषाल और बिस्वजीत घोषाल के साथ खरीदी है. उनकी नई प्रॉपर्टी मुंबई के सांताक्रूज पश्चिम इलाके में है. श्रेया घोषाल के अपार्टमेंट का एरिया और कीमत श्रेया घोषाल का नया अपार्टमेंट सरोजिनी रोड, सांताक्रूज वेस्ट मुंबई में है. उनके घर के एरिया की बारे में बात की जाए ये 2601 स्क्वायर फीट में है और इसमें 299 स्क्वायर फीट में बालकनी है, जिसके बाद उनका अपार्टमेंट 2900 स्क्वायर फीट में है. इस अपार्टमेंट का ट्रांजेक्शन रजिस्ट्रेशन 24 अप्रैल, 2026 को दर्ज किया गया है. डॉक्यूमेंट्स के अनुसार, इसकी कीमत 20.88 करोड़ है. जबकि सिंगर ने 1.25 करोड़ की स्टेम्प ड्यूटी भी चुकाई है. इसमें तीन कार की पार्किंग का स्पेस भी दिया गया है. घोषाल फैमिली ने तीन महीने में खरीदी 3 प्रॉपर्टी गौरतलब है कि घोषाल परिवार ने पिछले तीन महीनों में यह तीसरी प्रॉपर्टी मुंबई में खरीदी है. संपत्ति पंजीकरण दस्तावेजों के अनुसार, इसी महीने की शुरुआत में घोषाल परिवार ने मुंबई के वर्ली में लगभग 60 करोड़ रुपये में दो आलीशान अपार्टमेंट खरीदे थे. श्रेया ने इससे पहले गोदरेज ट्रिलॉजी में दो अपार्टमेंट खरीदे थे. प्लट प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन रिकॉर्ड्स के अनुसार, इस अपार्टमेंट का टोटल एरिया 2750.28 स्क्वायर फीट है. इसमें तीन पार्किंग का स्पेस भी है.

क्या आप गलत तरीके से तो नहीं खा रहे तरबूज? डॉक्टर से जानें सही समय और मात्रा

❍ गर्मियों में तरबूज खाना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है, लेकिन इसे गलत समय या ज्यादा मात्रा में खा लेने से परेशानी हो सकती है। जानें डॉक्टर Chhya Vaja से इसे खाने का सही तरीका।

गर्मी के मौसम में तरबूज सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले फलों में से एक है। यह रसदार, ठंडक देने वाला और शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करता है। इसमें पानी की मात्रा काफी ज्यादा होती है, जिससे गर्मियों में शरीर को राहत मिलती है। साथ ही इसमें कई जरूरी पोषक तत्व और एंटीऑक्सीडेंट भी पाए जाते हैं।

लेकिन क्या आप जानते हैं कि तरबूज को गलत तरीके से खाने पर पेट से जुड़ी परेशानियां भी हो सकती हैं? इंटरनल मेडिसिन एक्सपर्ट Chhya Vaja के अनुसार, तरबूज को सही समय और सही मात्रा में खाना बहुत जरूरी है।

तरबूज कितनी मात्रा में खाना चाहिए?

कई लोग सोचते हैं कि तरबूज में सिर्फ पानी होता है, इसलिए इसे जितना चाहें उतना खा सकते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है। इसमें नेचुरल शुगर भी होती है।

डॉक्टर के अनुसार :

दिन में लगभग 1 कप तरबूज खाना सही मात्रा मानी जाती है।

जरूरत से ज्यादा खाने पर ब्लोटिंग और पेट फूलने की समस्या हो सकती है।

डायबिटीज के मरीजों को खास सावधानी बरतनी चाहिए, क्योंकि इससे ब्लड शुगर बढ़ सकता है।

तरबूज खाने का सही समय क्या है?

Chhya Vaja के अनुसार, तरबूज दिन के समय खाना सबसे बेहतर होता है।

सुबह या दोपहर में इसे खाना ज्यादा फायदेमंद माना जाता है।

इस समय शरीर का मेटाबॉलिज्म ज्यादा एक्टिव होता है, जिससे इसे पचाना आसान होता है।

रात में तरबूज क्यों नहीं खाना चाहिए?

बहुत से लोग रात में भी तरबूज खा लेते हैं, लेकिन डॉक्टर ऐसा करने से बचने की सलाह देते हैं।

देर रात तरबूज खाने से गैस और ब्लोटिंग हो सकती है।

पेट में भारीपन और असहजता महसूस हो सकती है।

ज्यादा पानी होने के कारण रात में बार–बार यूरिन की समस्या भी हो सकती है।

तरबूज खाने के फायदे

शरीर को हाइड्रेट रखता है : इसमें पानी की मात्रा बहुत ज्यादा होती है, जो शरीर में पानी की कमी नहीं होने देता।

दिल की सेहत के लिए अच्छा : तरबूज में लाइकोपीन नाम का एंटीऑक्सीडेंट होता है, जो हार्ट हेल्थ को बेहतर बनाने में मदद करता है।

वजन कम करने में मददगार : यह लो–कैलोरी फल है, जिससे पेट लंबे समय तक भरा महसूस होता है।

शरीर को ठंडक देता है : गर्मी में इसे खाने से शरीर को ठंडक मिलती है और लू से बचाव हो सकता है।

नोट : तरबूज गर्मियों का एक हेल्दी और रिफ्रेशिंग फल है, लेकिन इसका सही समय और सही मात्रा में सेवन करना जरूरी है। अगर आप इसे संतुलित तरीके से खाते हैं, तो यह शरीर को कई शानदार फायदे दे सकता है। इसके अलावा किसी भी तरह की विशेष जानकारी के लिए अन्य डॉक्टर से उचित सलाह ले सकते हैं।

दिल्ली के सबसे पास हैं उत्तराखंड की ये 5 घूमने की जगह, वीकेंड पर जाते हैं दिल्लीवाले

उत्तराखंड की सबसे बड़ी खूबसूरती यहां की बर्फीली चोटियां हैं। नंदा देवी, त्रिशूल और पंचाचूली जैसी पर्वत श्रृंखलाएं सुबह के सूरज के साथ सोने की तरह चमकती हैं, जिससे एक बेहद आकर्षक नजारा देखने को मिलता है। यहां की सुंदरता शब्दों में बयां करना मुश्किल है। अगर आप दिल्ली में रहते हैं और घूमने की जगह खोज रहे हैं तो यहां देखिए 5 जगहों के बारे में।

1) चौकोरी

कुमाऊं का एक छोटा सा गांव जो अपने चाय बागानों के लिए जाना जाता है। ये जगह नंदा देवी, नंदा कोट और पंचाचूली के अद्भुत नजारों के लिए फेमस है। ये जगह समुद्र तल से लगभग 2,010 मीटर की ऊंचाई पर बसा है। ये जगह भीड़भाड़ से दूर, ताजी हवा और शांति के बीच समय बिताने के लिए बेस्ट है।

पूड़ी के साथ खूब टेस्टी लगती है भरवां आलू-मिर्च की सब्जी, चटपटा पसंद है तो जरूर ट्राई करें

❍ रोज की सब्जियों से बोर हो गए हैं और कुछ चटपटा खाने का मन है, तो पूड़ी के साथ ये भरवां आलू मिर्च की सब्जी ट्राई करें। ये फटाफट बन जाती है और इसका टेस्ट भी काफी बढ़िया होता है।

रोज–रोज वही सब्जी–दाल खा कर घरवाले बोर हो गए हैं, तो ये चटपटी भरवां आलू–मिर्च की सब्जी एक बार जरूर ट्राई करें। पूड़ी या पराठे के साथ तो ये इतनी टेस्टी लगती है कि पेट भर जाता है लेकिन मन नहीं। कहीं घूमने जा रहे हैं तो सफर के लिए पूड़ी के साथ ये चटपटी सी सब्जी एक परफेक्ट ऑप्शन है। अच्छा बात ये है कि इसे बनाने में ज्यादा टाइम नहीं लगता और ये हर चीज के साथ बढ़िया लगती है। इसकी चटपटी मसालेदार आलू की स्टफिंग और साथ में हल्की तीखी हरी मिर्च का कॉम्बिनेशन वाकई मुंह में पानी लाने वाला होता है। अगर आप भी कुछ ऐसा ढूंढ रहे हैं जो फटाफट बन जाए और घरवाले बड़े शौक से खाएं, तो ये रेसिपी आपको मिस नहीं करनी चाहिए। चलिए फटाफट से जान लेते हैं इसे बनाना कैसे है।

भरवां आलू–मिर्च की सब्जी के लिए सामग्री

हल्की तीखी, चटपटी और मसालेदार भरवां आलू–मिर्च की सब्जी बनाने के लिए आपको जिन सामग्रियों की जरूरत होगी वो हैं– मोटी हरी मिर्च, उबले हुए आलू, बारीक कटी हुई हरी मिर्च, हरा धनिया, अमचूर पाउडर, धनिया पाउडर, हींग, लाल मिर्च पाउडर, स्वादानुसार नमक, हल्दी, हल्का सा सौंठ पाउडर, साबुत जीरा और सरसों का तेल।

ऐसे बनाएं चटपटी भरवां आलू–मिर्च की सब्जी

आलू मिर्च की भरवां सब्जी पूड़ी, पराठे, रोटी और चावलय हर किसी के साथ काफी टेस्टी लगती है। इसे बनाना भी आसान है। सबसे पहले मोटी वाली हरी मिर्च लें और उन्हें ध ाो कर, बीच में से एक चीरा लगा दें। आपको इसके अंदर से सारे बीज निकाल देने हैं, क्योंकि ये कड़वे और तीखे लगते हैं। अब आलू की चटपटी सी स्टफिंग बनाकर तैयार करें।

इसके लिए आपको आलू उबाल लेने हैं। इन्हें हाथों से हल्का सा मैश कर लें। फिर इनमें बारीक कटी हुई हरी मिर्च और हरा धनिया मिलाएं। साथ में आपको कुछ बेसिक मसाले भी एड करने हैं। जैसे अमचूर पाउडर, धनिया पाउडर, चुटकी भर हींग, लाल मिर्च पाउडर, नमक और हल्दी पाउडर। साथ में थोड़ा सा सौंठ पाउडर भी मिला सकते हैं, इससे काफी अच्छी खुशबू और फ्लेवर आता है। अभी चीजों को अच्छी तरह मिक्स कर लें और आलू को बढ़िया से मैश कर के स्टफिंग तैयार कर लें।

मिर्च में ऐसे भरे मसाला

अब मोटी हरी मिर्च में आपने जो चीरा लगाया है, उसमें आलू की तैयार स्टफिंग भरें। बहुत ज्यादा आलू भी ना भरें, वरना मिर्च फट सकती है। इसके बाद आपको एक पैन में थोड़ा सा सरसों का तेल गर्म कर लेना है और साथ में जीरा चटका लेना है। अब एक–एक कर के सारी हरी मिर्च पैन में रख दें और पैन को ढक दें। जब ये एक साइड से हल्की सुनहरी और नर्म हो जाए तो इसे पलट दें और दूसरी साइड से भी अच्छी तरह सिकने दें। आपकी भरवां आलू मिर्च की सब्जी बनकर तैयार है। गरमा–गरम पूड़ी के साथ ये काफी ज्यादा टेस्टी लगेगी।

ढोकला बनाते समय भूलकर भी ना करें ये 6 गलतियां, बिगड़ सकता है स्वाद

❍ घर पर ढोकला बनाते समय छोटी–छोटी गलतियां इसका स्वाद और टेक्सचर खराब कर सकती हैं। जानिए ढोकला बनाते समय किन 6 कॉमन गलतियों से बचना चाहिए ताकि हर बार सॉफ्ट और स्पंजी ढोकला बने।

ढोकला एक बेहद लोकप्रिय गुजराती स्नैक है जिसे लोग बड़े शौक से खाते हैं। इसका हल्का, स्पंजी और खट्टा–मीठा स्वाद हर किसी को पसंद आता है। लेकिन कई बार घर पर ढोकला बनाते समय वह बाजार जैसा सॉफ्ट और फूला हुआ नहीं बन पाता। इसकी वजह अक्सर छोटी–छोटी गलतियां होती हैं जिन पर लोग ध्यान नहीं देते। अगर आप चाहते हैं कि आपका ढोकला हर बार बाजार जैसा मुलायम और स्वादिष्ट बने, तो कुछ बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है।

आइए जानते हैं ढोकला बनाते समय होने वाली 6 आम गलतियों के बारे में–

सामग्री की सही मात्रा ना रखना

ढोकला बनाते समय बेसन, पानी और दही की सही मात्रा का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। अगर बेसन कम होगा, तो ढोकला सही तरीके से सेट नहीं होगा और उसका टेक्सचर खराब हो सकता है। वहीं, ज्यादा दही डालने से बैटर बहुत पतला और खट्टा हो सकता है, जिससे ढोकला गीला और चिपचिपा बनता है। हमेशा माप का इस्तेमाल करें ताकि स्वाद और टेक्सचर दोनों सही रहें।

2. बैटर सही कंसिस्टेंसी का ना बनाना

ढोकला का बैटर बहुत ज्यादा गाढ़ा या बहुत पतला नहीं होना चाहिए। गाढ़ा बैटर होने पर ढोकला ठीक से फूल नहीं पाता और सख्त बन सकता है। वहीं, बहुत पतला बैटर ढोकले को फ्लैट और सॉगी बना देता है। बैटर हमेशा स्मूद, बिना गांठ वाला और बहने वाली कंसिस्टेंसी का होना चाहिए। इसकी बनावट पैनकेक बैटर जैसी होनी चाहिए ताकि ढोकला स्पंजी बने।

3. बैटर को सही तरीके से फर्मेंट ना करना

फर्मेंटेशन ढोकला की सबसे जरूरी प्रक्रिया में से एक है। अगर बैटर ठीक से फर्मेंट नहीं होगा, तो ढोकला भारी और कड़ा बन सकता है। वहीं, ज्यादा देर तक फर्मेंट करने से स्वाद जरूरत से ज्यादा खट्टा हो जाता है। मौसम के हिसाब से बैटर को सही समय तक ही रखें। गर्म मौसम में कम समय और ठंड में थोड़ा ज्यादा समय लग सकता है।

4. फ्रूट सॉल्ट या बेकिंग सोडा गलत समय पर डालना

ढोकला को सॉफ्ट और फूला हुआ बनाने में फ्रूट सॉल्ट या बेकिंग सोडा का अहम रोल होता है। लेकिन इसे बहुत पहले डाल देने से इसका असर खत्म हो जाता है और ढोकला अच्छी तरह नहीं फूलता। वहीं, ज्यादा मात्रा में डालने से स्वाद कड़वा हो सकता है। इसे हमेशा स्टीम करने से ठीक पहले डालें और डालने के बाद बैटर को तुरंत स्टीम करें।

5. ढोकला को सही समय तक स्टीम ना करना

स्टीमिंग ढोकला बनाने का सबसे अहम स्टेप है। अगर ढोकला कम समय तक स्टीम होगा, तो अंदर से कच्चा रह सकता है। वहीं, ज्यादा स्टीम करने पर यह सूखा और सख्त हो सकता है। इसे चेक करने के लिए टूथपिक डालें। अगर टूथपिक साफ बाहर निकल आए, तो समझिए ढोकला अच्छी तरह पक चुका है। स्टीमिंग के दौरान बार–बार ढक्कन खोलने से भी बचें।

6. तड़का सही तरीके से ना लगाना

ढोकला का स्वाद बढ़ाने में तड़का बहुत जरूरी होता है। कई लोग सिर्फ राई और करी पत्ता डालकर तड़का लगा देते हैं, लेकिन पारंपरिक स्वाद के लिए इसमें थोड़ा पानी और चीनी भी मिलानी चाहिए। इससे ढोकला ज्यादा सॉफ्ट और स्वादिष्ट बनता है। तड़का डालने के बाद कुछ मिनट ढोकला को ऐसे ही छोड़ दें ताकि फ्लेवर अच्छी तरह अंदर तक चला जाए।

स्मोकिंग या शराब की आदत कम करना चाहते हैं? ये सुकून देने वाला ड्रिंक आ सकता है काम

❍ स्मोकिंग और शराब की आदत छोड़ना आसान नहीं होता, लेकिन कुछ हेल्दी आदतें मदद कर सकती हैं। दो चीजों से बना यह सिंपल ड्रिंक तनाव कम करने और बेहतर नींद में सहायक माना जाता है।

स्मोकिंग और शराब की आदत छोड़ना या कम करना कई लोगों के लिए आसान नहीं होता। जब कोई व्यक्ति इन आदतों को कम करने की कोशिश करता है तो उसे तनाव, बेचैनी, चिड़चिड़ापन और नींद ना आने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे समय में सिर्फ दवाइयों ही नहीं, बल्कि छोटी–छोटी हेल्दी आदतों की भी जरूरत होती है, जो शरीर और मन को शांत महसूस कराने में मदद करें।

तुलसी और दूध से बना एक ड्रिंक भी ऐसी ही आदतों में शामिल हो सकता है। हालांकि यह कोई इलाज नहीं है, लेकिन बेहतर नींद और रिलैक्सेशन के लिए इसे एक हेल्दी रूटीन का हिस्सा बनाया जा सकता है।

कैसे बनाएं यह आसान ड्रिंक?

यह ड्रिंक बनाने में बहुत आसान है और इसे घर की साध ारण सामग्री से तैयार किया जा सकता है।

4–5 तुलसी के पत्ते

बनाने का तरीका

सबसे पहले एक पैन में दूध ा गर्म करें।

अब इसमें तुलसी के पत्ते डाल दें।

दूध को कुछ मिनट तक हल्की आंच पर पकने दें ताकि तुलसी का स्वाद और गुण दूध में मिल जाएं।

इसके बाद गैस बंद कर दें।

दूध को छानकर हल्का गर्म ही पिएं।

यह ड्रिंक कैसे मदद कर सकता है?

शरीर को रिलैक्स करने में मदद : गर्म दूध को लंबे समय से आराम और अच्छी नींद से जोड़ा जाता है। इसे पीने से शरीर को सुकून महसूस हो सकता है।

तनाव कम करने में सहायक : तुलसी में ऐसे पौधों के गुण पाए जाते हैं, जिन्हें तनाव कम करने और मन को शांत रखने में मददगार माना जाता है।

बेहतर नींद में मदद : जब कोई व्यक्ति स्मोकिंग या शराब कम करने की कोशिश करता है, तो उसकी नींद प्रभावित हो सकती है। यह ड्रिंक रात में रिलैक्स महसूस कराने में मदद कर सकता है।

क्रेविंग्स को कंट्रोल करने में सहायक : तनाव और बेचैनी के कारण कई बार व्यक्ति दोबारा स्मोकिंग या शराब की तरफ लौट जाता है। रिलैक्स महसूस करने से ऐसी cravings कुछ हद तक कम हो सकती हैं।

किन बातों का रखें ध्यान?

यह कोई मेडिकल इलाज नहीं है। अगर लत ज्यादा हो, तो डॉक्टर या काउंसलर की सलाह जरूर लें। इसके अलावा हेल्दी डाइट और अच्छी नींद भी जरूरी है, धीरे–धीरे आदत कम करना ज्यादा असरदार हो सकता है।

स्मोकिंग और शराब कम करने के लिए और क्या करें?

रोज थोड़ा वॉक या एक्सरसाइज करें

ज्यादा पानी पिएं

परिवार और दोस्तों का सपोर्ट लें।

तनाव कम करने के लिए मेडिटेशन करें।

रात को समय पर सोने की कोशिश करें।

नोटरू स्मोकिंग और शराब की आदत कम करना आसान नहीं होता, लेकिन छोटी–छोटी हेल्दी आदतें इस सफर को थोड़ा आसान बना सकती हैं। इसके अलावा किसी भी तरह की विशेष जानकारी के लिए एक्सपर्ट से उचित सलाह ले सकते हैं।

गर्मियों में बनाएं खट्टी-मीठी आम की लौंजी, उंगलियां चाटते रह जाएंगे लोग

❍ गर्मियों में कच्चे आम से बनी आम की लौंजी खाने का स्वाद दोगुना कर देती है। यह खट्टी–मीठी डिश पूरी और पराठे के साथ बेहद स्वादिष्ट लगती है। जानिए इसे बनाने की आसान स्टेप–बाय–स्टेप रेसिपी।

गर्मियों का मौसम आते ही कच्चे आम से बनने वाली स्वादिष्ट डिशेज की याद आने लगती है। आम पना, चटनी और अचार की तरह आम की लौंजी भी एक बेहद लोकप्रिय पारंपरिक रेसिपी है, जिसका खट्टा–मीठा स्वाद खाने का मजा दोगुना कर देता है। खासतौर पर पूरी, पराठे या दाल–चावल के साथ इसका स्वाद बहुत शानदार लगता है। गुड़ और मसालों के साथ बनी यह डिश बच्चों से लेकर बड़ों तक हर किसी को पसंद आती है। अच्छी बात यह है कि इसे बनाने में ज्यादा समय नहीं लगता और घर में मौजूद आसान सामग्री से ही यह तैयार हो जाती है। अगर आप भी गर्मियों में कुछ टेस्टी और अलग ट्राई करना चाहते हैं, तो आम की लौंजी की यह आसान रेसिपी जरूर बनाएं।

आम की लौंजी बनाने के लिए सामग्री

- 2 कच्चे आम
- 2 चम्मच तेल
- 1/2 चम्मच जीरा
- 1/2 चम्मच सौंफ
- 1/4 चम्मच मेथी दाना
- 1 चुटकी हींग
- 1/2 चम्मच हल्दी पाउडर
- 1 चम्मच लाल मिर्च पाउडर
- स्वादानुसार नमक
- 1/2 कप गुड़ या चीनी
- 1/2 चम्मच गरम मसाला
- 1 कप पानी

स्टेप–बाय–स्टेप रेसिपी

आम तैयार करेंरू सबसे पहले कच्चे आम को अच्छी तरह धो लें। अब इन्हें छीलकर छोटे–छोटे टुकड़ों में काट लें।

तड़का लगाएंरू एक कढ़ाई में तेल गर्म करें। अब इसमें जीरा, सौंफ, मेथी दाना और हींग डालें। जब मसाले हल्के भुन जाएं, तब इसमें हल्दी डालें।

आम डालेंरू अब कटे हुए आम के टुकड़े कढ़ाई में डालें और 2द्3 मिनट तक हल्का भून लें। इससे आम का स्वाद और अच्छा हो जाएगा।

मसाले मिलाएं : अब इसमें लाल मिर्च पाउडर और नमक डालें। इसके बाद एक कप पानी डालकर अच्छी तरह मिलाएं।

गुड़ डालें : जब आम थोड़ा नरम हो जाए, तब इसमें गुड़ या चीनी डाल दें। अब इसे धीमी आंच पर पकने दें ताकि गुड़ अच्छी तरह घुल जाए और लौंजी गाढ़ी होने लगे।

संक्षिप्त

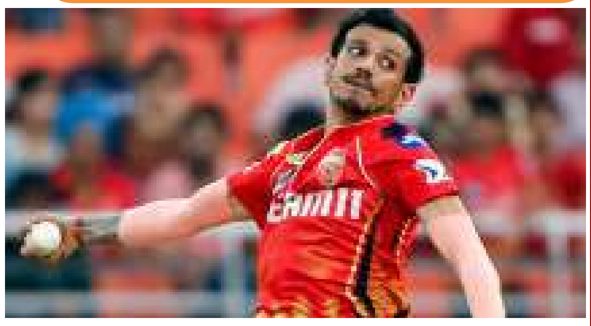

पंजाब किंग्स के गेंदबाज पर क्यों फूटा पूर्व स्पिनर का गुस्सा? सलाखों के पीछे भेजने की कह दी बात

नई दिल्ली,एजेंसी। पूर्व भारतीय स्पिनर लक्ष्मण शिवरामाकृष्णा ने पंजाब किंग्स के गेंदबाज युजवेंद्र चहल पर तीखा हमला किया है। शिवरामाकृष्णा का कहना है कि चहल को सलाखों के पीछे होना चाहिए। शिवरामाकृष्णा का बयान ऐसे समय सामने आया है जब हाल ही में सोशल मीडिया पर चहल का एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें वह फ्लाइट के अंदर वेपिंग का इस्तेमाल करते दिख रहे थे। कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने अर्शदीप सिंह के व्लॉग की क्लिप और स्क्रीनशॉट शेयर किया था जिसमें दावा किया गया था कि चहल ने फ्लाइट में वेपिंग की है। यह वीडियो तब का बताया जा रहा है जब पंजाब किंग्स की टीम अहमदाबाद से हैदराबाद की यात्रा कर रही थी। सोशल मीडिया यूजर्स ने यह भी दावा किया था कि व्लॉग के ओरिजिनल वीडियो को बाद में एडिट कर दिया गया। अमर उजाला इस वीडियो के सत्यापन की पुष्टि नहीं करता है। इस मामले पर अब शिवरामाकृष्णा ने एक्स पर लिखा, भारत में वेप प्रतिबंधित है। ऐसे व्यक्ति को जेल में डाल देना चाहिए। कानून बनाने का क्या फायदा जब उन्हें लागू ही न किया जाए? मैच फीस का 25प्रतिशत तो मामूली रकम है। अगर किसी आम आदमी ने ऐसा किया होता, तो क्या कार्रवाई होती? भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने यह मामला सामने आने के बाद सख्ती दिखाई है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि बोर्ड ने पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को व्लॉगिंग बंद करने के निर्देश दिए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह कदम कथित तौर पर युजवेंद्र चहल से जुड़े वेपिंग विवाद के बाद उठाया गया है। आईपीएल के मौजूदा सीजन में वेपिंग से जुड़ा यह दूसरा विवाद है। इससे पहले रियान पराग पर न्यू चंडीगढ़ में पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले के दौरान ड्रेसिंग रूम में वेपिंग करने का आरोप लगा था।

मुश्किल में घिरे यशस्वी और शेफाली, डोप टेस्ट नहीं देने पर नाडा ने जारी किया नोटिस

नई दिल्ली,एजेंसी। स्टार क्रिकेटरों के डोप टेस्ट नहीं देने का मामला सामने आया है। भारत और राजस्थान रॉयल्स के ओपनिंग बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और वनडे विश्वकप में भारत की जीत में चमक बिखेरने वाली महिला क्रिकेटर शेफाली वर्मा को डोप टेस्ट नहीं देने पर नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी (नाडा) की ओर से नोटिस जारी कर दिया गया है। नाडा ने दोनों ही क्रिकेटरों के खिलाफ व्हेयर अबाउट फेल्योर (दिए गए ठिकाने पर नहीं मिलना) के तहत पहला मिस टेस्ट दर्ज कर दिया है। हालांकि दोनों ही क्रिकेटरों को मिस टेस्ट देने के खिलाफ सफाई देने का मौका भी दिया गया है। 12 माह के अंतराल में अगर किसी भी खिलाड़ी के व्हेयर अबाउट फेल्योर के तहत तीन मिस टेस्ट दर्ज किए जाते हैं तो उसे एंटी डोपिंग नियमों के उल्लंघन का दोषी करार दिया जाता है। नाडा सुनवाई पैनल के समक्ष अगर खिलाड़ी अपनी बेगुनाही साबित नहीं कर पाता है तो उस पर दो साल तक का प्रतिबंध लग सकता है। यशस्वी और शेफाली दोनों नाडा के रजिस्टर्ड टेस्टिंग पूल (आरटीपी) में हैं। आरटीपी में शामिल खिलाड़ियों को डोप टेस्टिंग के लिए दिन के किसी भी समय का एक हिस्सा और स्थान नाडा को दर्ज कराना होता है। दिए गए समय और स्थान पर डोप कंट्रोल ऑफिसर (डीसीओ) कभी भी सैंपल लेने पहुंच सकता है। नाडा की ओर से जारी नोटिस के अनुसार यशस्वी का बीते वर्ष 17 दिसंबर और शेफाली का बीते वर्ष सात नवंबर को डोप टेस्ट लेने डीसीओ पहुंचा, लेकिन दोनों वहां नहीं मिले। नाडा ने दोनों क्रिकेटरों से इस वर्ष 18 और 20 फरवरी को जवाब मांगा, लेकिन दोनों ने कोई उत्तर नहीं दिया। इस पर नाडा ने दोनों का पहला मिस टेस्ट दर्ज कर दिया। मिस टेस्ट दर्ज किए जाने के बावजूद दोनों क्रिकेटरों को सफाई के लिए सात दिन का समय दिया गया है। दोनों क्रिकेटरों के मिस टेस्ट की जानकारी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और आईसीसी को भी दे दी गई है। अब दोनों ही क्रिकेटरों को बेहद सतर्क रहना होगा। अगर उनके खिलाफ दो और मिस टेस्ट दर्ज कर लिए गए तो दोनों बड़ी मुसीबत में फंस सकते हैं। इस वक्त नाडा के आरटीपी में इन दोनों के अलावा अभिषेक शर्मा, अक्षर पटेल, शुभमन गिल, हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह, ऋषभ पंत, केएल राहुल, अर्शदीप सिंह, तिलक वर्मा, दीप्ति शर्मा, रेणुका ठाकुर जैसे क्रिकेटर शामिल हैं।

भारतीय कुश्ती महासंघ ने विनेश फोगाट को भेजा कारण बताओ नोटिस, 14 दिनों के अंदर देना होगा जवाब

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने शनिवार को पहलवान विनेश फोगाट को करार बताओ नोटिस भेजा है। डब्ल्यूएफआई ने अनुशासनहीनता और डोपिंग विरोधी नियमों के उल्लंघन के आरोपों पर विनेश को नोटिस भेजा है। इतना ही नहीं विनेश जून 2026 तक घरेलू टूर्नामेंट में भाग्य लेने के लिए अयोग्य घोषित की गई हैं क्योंकि उन्होंने यूडब्ल्यूडब्ल्यू के डोपिंग रोधी नियम के तहत संन्यास से वापसी के बाद जरूरी छह महीने का नोटिस पीरियड नहीं दिया है। यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने अपने पत्र में यह भी स्पष्ट किया था कि यदि विनेश दोबारा कुश्ती में वापसी करना चाहती हैं, तो उन्हें आईटीए या इंटरनेशनल फेडरेशन को कम से कम छह महीने पहले सूचना देनी होगी और इस दौरान एंटी–डोपिंग टेस्टिंग के लिए उपलब्ध रहना होगा। वाडा नियम 5.6.1 के अनुसार, कोई भी खिलाड़ी लंबे समय तक टेस्टिंग सिस्टम से बाहर रहने के बाद सीधे प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले सकता। ऐसा करने पर उसके परिणाम अमान्य घोषित किए जा सकते हैं। 15 पन्नों के नोटिस में, डब्ल्यूएफआई ने आरोप लगाया कि विनेश के आचरण ने राष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदा किया है जिससे भारतीय कुश्ती की छवि को नुकसान पहुंचा है। इतना ही नहीं उन्होंने डब्ल्यूएफआई संविधान, यूडब्ल्यूडब्ल्यू अंतरराष्ट्रीय कुश्ती नियमों और डोपिंग विरोधी नियमों के प्रावधानों का उल्लंघन किया है। महासंघ ने उनसे चार आरोपों पर स्पष्टीकरण मांगा है, जिनमें वजन निर्धारित सीमा तक न पहुंच पाने के कारण 2024 पेरिस ओलंपिक से उनकी अयोग्यता, डोपिंग विरोधी नियमों के तहत कथित तौर पर ठिकाने की जानकारी न देना और तत्कालीन आईओए द्वारा नियुक्त तदर्थ पैनल द्वारा आयोजित मार्च 2024 के चयन परीक्षणों के दौरान दो भार श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा करना शामिल है। डब्ल्यूएफआई ने विशेष रूप से उल्लेख किया है कि विनेश इस वर्ष 26 जून तक किसी भी घरेलू प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पात्र नहीं हैं, जिसमें गोंडा में 10 से 12 मई तक होने वाला राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट भी शामिल है, जिसे उनका वापसी टूर्नामेंट माना जा रहा था। विनेश को भेजे गए नोटिस में लिखा गया, महासंघ को यह सुनिश्चित करना होगा कि आपने डोपिंग–विरोधी नियमों का कोई उल्लंघन नहीं किया है, जिसके कारण आप आगामी किसी भी प्रतियोगिता में महासंघ का प्रतिनिधित्व करने के लिए अयोग्य हो जाएं।

मेसी को फीफा विश्व कप में नेमार के खेलने का भरोसा, सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक बताया

ब्यूनस आयर्स,एजेंसी। दिग्गज फुटबॉलर लियोनल मेसी का

मानना है कि ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार अभी भी इस खेल के श्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं। मेसी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि ब्राजील का यह फॉरवर्ड अगले महीने होने वाले फीफा विश्व कप में खेलेगा। मेसी ने लो डेल पोलो शो में कहा, हम चाहते हैं कि विश्व कप में सबसे अच्छे खिलाड़ी हों और नेमार, चाहे उनका फॉर्म कैसा भी हो, हमेशा उनमें से एक रहेंगे। ब्राजील और फुटबॉल के लिए उनके बहुत मायने हैं, इसलिए उन्हें विश्व कप में देखना बहुत अच्छा होगा। मुझे उम्मीद है कि वह वहां होंगे, लेकिन मैं किसी चीज को लेकर निष्पक्ष नहीं रह सकता, क्योंकि उन्हें हमेशा वहां रहना होता है। मेसी ने माना कि उनकी दोस्ती की वजह से उनके लिए निष्पक्ष रहना मुश्किल हो गया। उन्होंने कहा, मैं किसी चीज को लेकर निष्पक्ष नहीं रह सकता। नेमार एक दोस्त है। जाहिर है, मैं चाहूंगा कि वह विश्व कप में हो, उसके साथ अच्छी चीजें हों क्योंकि वह जैसा इंसान है, उसके लिए वह इसके लायक है। मुझे उम्मीद है कि वह वहां हो सके। उसमें एक बहुत ही खास करिश्मा है। वह दिखावा नहीं करता। वह अपनी जिंदगी वैसे ही जीता है, जैसा वह महसूस करता है, बिना नतीजों की चिंता किए। वह खुश है और वह बहुत नैचुरल है। आठ बार के बैलन डीश्ओर विनर ने कहा कि अर्जेंटीना के लिए 2022 विश्व कप खिताब बचाना मुश्किल काम होगा। उन्होंने स्पेन, फ्रांस और ब्राजील को प्रबल दावेदार बताया। मेसी ने कहा, हम जानते हैं कि विश्व कप हमेशा एक मुश्किल मामला होता है क्योंकि इसमें शामिल टीमें मजबूत होती हैं। हमें उम्मीद रखनी होगी, जैसे हर अर्जेंटीनाई हमेशा करता है जब भी कोई आधिकारिक प्रतियोगिता होती है, चाहे वह कोपा अमेरिका हो या विश्व कप, लेकिन हमें यह भी मानना होगा कि हमसे आगे दूसरी दावेदार टीमें हैं जो बेहतर हैं। नेमार और मेसी 2013 से 2017 तक बार्सिलोना में साथ खेले और 2021 से 2023 तक पेरिस सेंट–जर्मेन में साथ रहे। बचपन के क्लब सैंटोस में लौटने के बाद से नेमार लगातार चोट की समस्या से परेशान रहे हैं। वह इस साल सिर्फ 12 मैच खेल पाए हैं। उन्होंने 2025 में 28 मैच खेले थे। ब्राजील के अब तक के सबसे ज्यादा गोल करने वाले नेमार अक्तूबर 2023 से अपने देश के लिए नहीं खेले हैं। वह उरुग्वे के खिलाफ विश्व कप क्वालिफायर के दौरान एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट में चोट लगने के बाद से टीम से बाहर हैं।

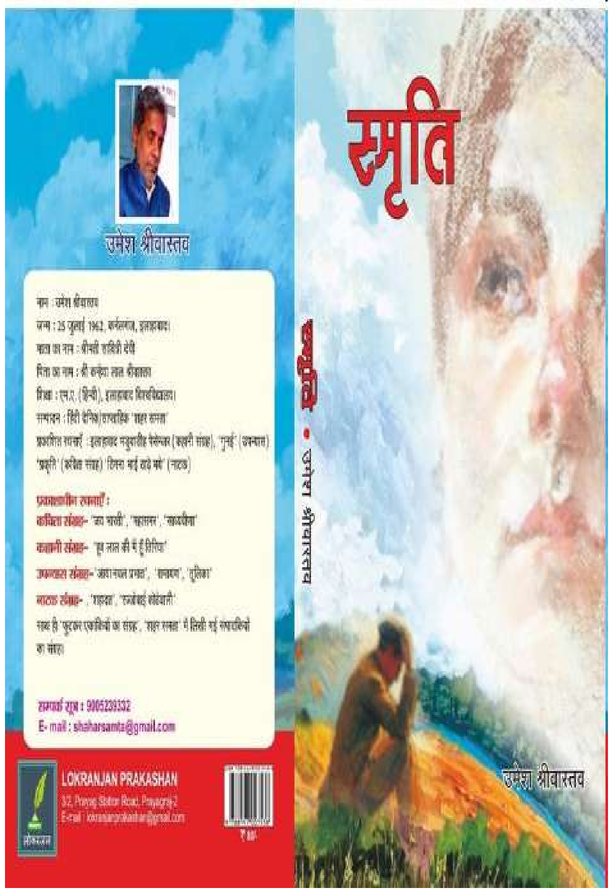

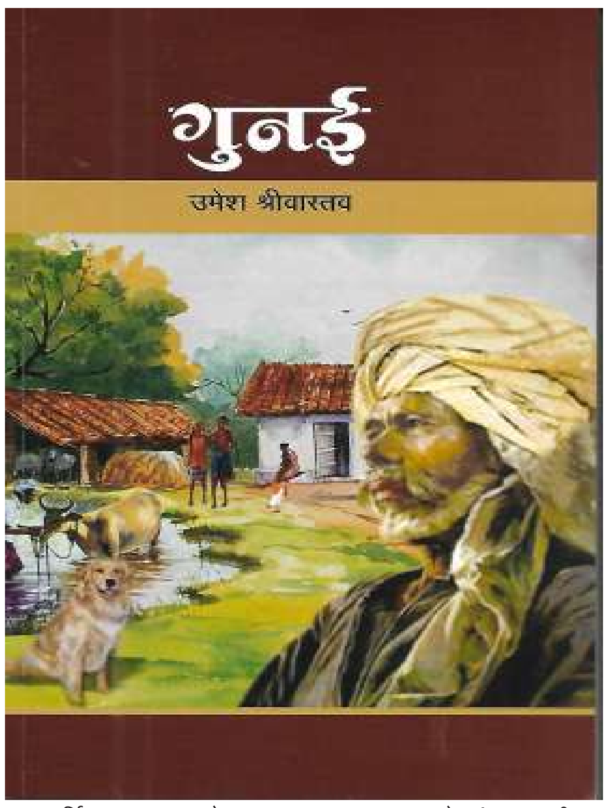

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

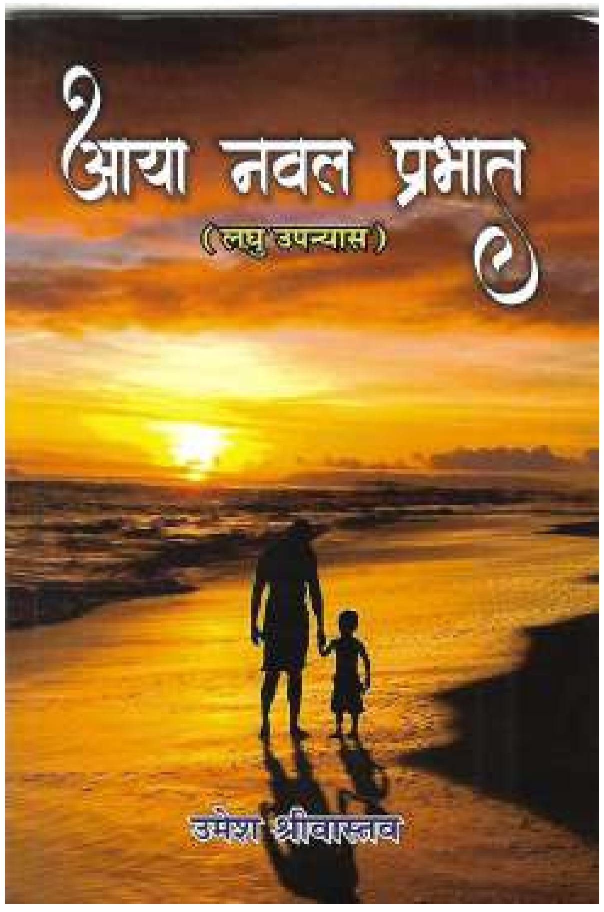

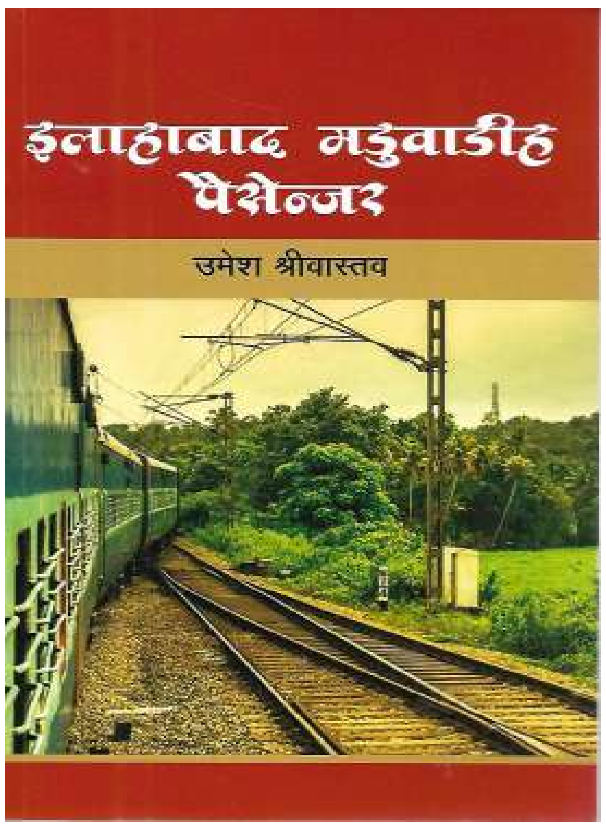

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

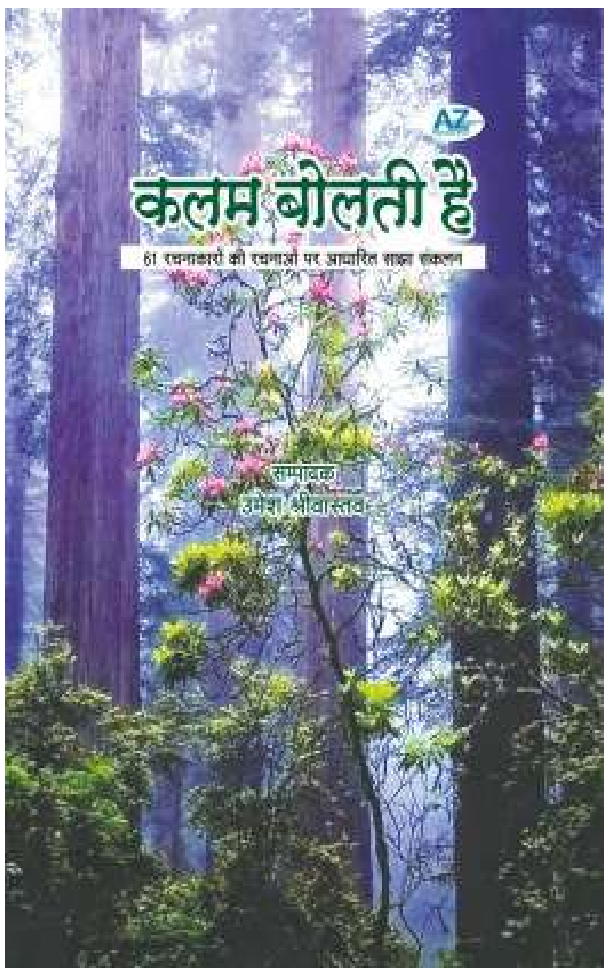

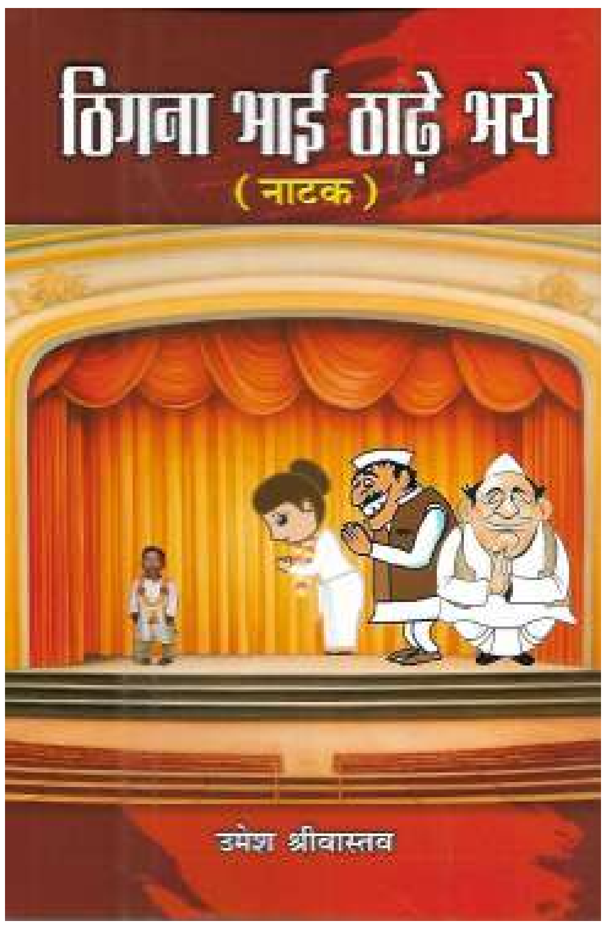

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

साइबरट्रक का टायर खराब, दो लाख गाड़ियों में कैमरे फेलय टेस्ला को वापस बुलानी पड़ी लाखों कारें

टेस्ला के साइबरट्रक में पहिया टूटने के खतरे और लाखों कारों में कैमरा बंद होने की समस्या ने चिंता बढ़ा दी है। हालांकि, कंपनी समय रहते इन खराबियों को ठीक कर रही है ताकि किसी भी अनहोनी को टाला जा सके।

दिग्गज इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला ने अपने वाहनों में आई तकनीकी खामियों के बाद दो अलग–अलग रिकॉल जारी किए हैं। कंपनी ने 173 साइबरट्रक और करीब 2 लाख अन्य मॉडल्स को वापस बुलाया है। साइबरट्रक के पहियों और बाकी कारों के सॉफ्टवेयर में बड़ी गड़बड़ी सामने आई है।

साइबरट्रक के पहियों में खराबी

रिपोर्ट के अनुसार, साल 2024–2026 के बीच बने 18–इंच स्टील व्हील वाले 173 साइबरट्रक रिकॉल किए गए हैं। नेशनल हाईवे ट्रैफिक सेफ्टी एडमिनिस्ट्रेशन ने बताया कि खराब सड़कों या मोड़ पर चलते समय इनके रोटर में दरार आ सकती है। इससे पहिया हब से अलग हो सकता है। यह खराबी बड़ी दुर्घटना और गंभीर चोट का कारण बन सकती है। टेस्ला इन वाहनों के रोटर्स, हब और लग नट्स को मुफ्त में बदलेगी।

सॉफ्टवेयर की चूक से कैमरा बंद

साइबरट्रक के अलावा टेस्ला ने दो लाख से ज्यादा मॉडल वाई,एस, एक्स और मॉडल 3 कारों को भी वापस बुलाया है। इनमें रियरव्यू कैमरा की समस्या मिली है। सॉफ्टवेयर में गड़बड़ी की वजह से बैक करते समय कैमरा कुछ समय के लिए बंद हो जाता है। पीछे का दृश्य न दिखने से टक्कर होने का खतरा बढ़ जाता है।

राहत की बात यह है कि इन समस्याओं की वजह से अब तक किसी भी दुर्घटना या मौत की जानकारी नहीं मिली है। कंपनी ने ग्राहकों से अपील की है कि वे अपनी सुरक्षा के लिए टेस्ला कस्टमर सर्विस 1–877–798–3752 पर संपर्क करें। टेस्ला ने इन खामियों को दुरुस्त करने के लिए विशेष रिकॉल नंबर भी जारी किए हैं।

चिंताजनक : एआई डाटा सेंटर बना रहे हीट आइलैंड, आसपास पारा पहुंचा 16-4 डिग्री, इस रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के एक नए शोध में खुलासा हुआ है कि विशाल एआई डाटा सेंटर अपने आसपास के 10 किलोमीटर के दायरे में श्हीट आईलैंडश बना रहे हैं। शोध के अनुसार, इन सेंटरों के कारण सतह का तापमान औसतन 3. 6 डिग्री फारेनहाइट से लेकर अधिकतम 16.4 डिग्री फारेनहाइट तक बढ़ रहा है। रिपोर्ट में क्या–क्या खुलासे हुए हैं? खबर में जानिए...

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को संचालित करने वाले विशाल डाटा सेंटर केवल भारी मात्रा में बिजली ही नहीं खपा रहे हैं, बल्कि वे अपने आसपास के इलाकों को भी तेजी से गर्म कर रहे हैं। एक नए अध्ययन में दावा किया गया है कि एआई डाटा सेंटर हीट आइलैंड प्रभाव पैदा कर रहे हैं, जिसके कारण आसपास के क्षेत्रों का तापमान औसतन 3.6 डिग्री फारेनहाइट और कुछ मामलों में 16.4 डिग्री फारेनहाइट तक बढ़ रहा है।

शोधकर्ताओं ने दावा किया है कि इस प्रभाव की चपेट में दुनिया भर में 34 करोड़ से अधिक लोग आ सकते हैं। कैम्ब्रिज विवि के अर्थ ऑब्जर्वेशन समूह के एसोसिएट प्रोफेसर एंड्रिया मारिनोनी और उनकी टीम ने डाटा सेंटरों से निकलने वाली गर्मी के प्रभावों का विश्लेषण किया है। इसके निष्कर्ष गंभीर पर्यावरणीय चिंताओं की ओर संकेत करते हैं। शोधकर्ताओं ने पिछले 20 वर्षों के तापमान आंकड़ों का अध्ययन किया, जिन्हें रिमोट सेंसरों के जरिए एकत्र किया गया था।

इन आंकड़ों की तुलना एआई हाइपरस्केलर डाटा सेंटरों के स्थानों से की गई। हाइपरस्केलर ऐसे विशाल डाटा सेंटर होते हैं जिनमें हजारों सर्वर लगे होते हैं और जिनका आकार 10 लाख वर्ग फुट तक हो सकता है। अध्ययन में 6,000 से अधिक ऐसे डाटा सेंटर शामिल किए गए जो अत्यधिक घनी आबादी वाले शहरी क्षेत्रों से दूर स्थित हैं। ऐसा इसलिए किया गया ताकि उद्योगों, घरों की हीटिंग या अन्य शहरी गतिविधियों से पैदा होने वाले ताप प्रभाव को अलग रखा जा सके।

10 किलोमीटर तक का क्षेत्र प्रभावित

अध्ययन के अनुसार किसी डाटा सेंटर के संचालन शुरू होने के बाद आसपास के क्षेत्रों का सतही तापमान औसतन 3.6 डिग्री फारेनहाइट बढ़ गया। कुछ स्थानों पर यह वृद्धि 16.4 डिग्री फारेनहाइट तक दर्ज की गई। शोधकर्ताओं ने कहा कि यह पैटर्न दुनिया के अलग–अलग हिस्सों में समान रूप से दिखाई दिया। उदाहरण के तौर पर मैक्सिको के बाजियो क्षेत्र में दो दशकों में तापमान में लगभग 3.6 डिग्री फारेनहाइट की ऐसी वृद्धि दर्ज की गई जिसे अन्य कारणों से नहीं समझाया जा सका। इसी तरह स्पेन के अरागोन क्षेत्र में, जो यूरोप में हाइपरस्केल एआई डेटा सेंटरों का बड़ा केंद्र है, तापमान में 3.6 डिग्री फारेनहाइट की वृद्धि दर्ज हुई, जबकि पड़ोसी क्षेत्रों में ऐसा पैटर्न नहीं मिला। तापमान में वृद्धि का असर 10 किलोमीटर तक के क्षेत्रों में देखा गया।

विशेषज्ञों ने जताई चिंताएं

लंदन साउथ बैंक यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डेबोरा एंड्रयूज ने कहा कि डाटा सेंटरों के प्रभावों को लेकर पहले से कई चिंताएं मौजूद हैं, लेकिन यह पहला अध्ययन है जो विशेष रूप से उनके द्वारा पैदा की जाने वाली गर्मी पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि एआई उद्योग के तेज विस्तार की होड़ में टिकाऊ और दीर्घकालिक पर्यावरणीय सोच को नजरअंदाज किया जा रहा है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
.919450482227

यूएफओ फाइलों पर अमेरिका का बड़ा खुलासा : फाइलें सार्वजनिक करना शुरू, पेंटागन करेगा और दस्तावेज-वीडियो जारी

अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने यूएफओ और यूएपी से जुड़ी नई फाइलें सार्वजनिक करनी शुरू कर दी हैं। ट्रंप प्रशासन ने पारदर्शिता बढ़ाने के तहत और दस्तावेज व वीडियो जारी करने के संकेत दिए हैं।

अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) ने अज्ञात असामान्य परिघटनाएं (यूएपी), जिन्हें आमतौर पर यूएफओ कहा जाता है, से जुड़ी नई फाइलें सार्वजनिक करना शुरू कर दिया है। शुक्रवार को सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से पेंटागन ने बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ध्यान जनता को अधिकतम पारदर्शिता प्रदान करने पर है, ताकि लोग इन जानकारियों के आधार पर स्वयं अपना निष्कर्ष निकाल सकें।

किस्तों में जारी होंगे दस्तावेज

पेंटागन विभाग ने कहा कि पिछली सरकारों ने जनता को हतोत्साहित करने की कोशिश की थी, लेकिन मौजूदा प्रशासन पारदर्शिता के लिए प्रतिबद्ध है। ये दस्तावेज किस्तों में जारी किए जाते रहेंगे। रिपब्लिकन सांसद टिम बर्चेट ने बयान जारी कर राष्ट्रपति ट्रंप को पारदर्शिता का अपना वादा निभाने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि पूरी पारदर्शिता एक साथ नहीं होगी, इसमें कुछ समय लगेगा।

46 वीडियो भी हो सकते हैं सार्वजनिक

सांसद अन्ना पॉलिना लूना ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि भविष्य में 46 वीडियो भी जारी किए जा सकते हैं, जिनकी मांग व्हिसलब्लोअर्स ने की थी। व्हाइट हाउस, नासा और एफबीआई के सहयोग से चल रही इस पहल के बीच विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि सैन्य तकनीक की समझ न रखने वाले लोग इन वीडियो की गलत व्याख्या कर सकते हैं। हालांकि, पेंटागन की पिछली रिपोर्टों में अब तक एलियन तकनीक या जीवन का कोई पुख्ता सबूत नहीं मिला है।

गोपनीय दस्तावेज सार्वजनिक करने के लिए ट्रंप ने दिए आदेश

अमेरिका में अज्ञात उड़न वस्तुओं (श्ध) से जुड़े मामलों को लेकर बड़ा कदम उठाया गया है। डोनाल्ड ट्रंप ने इस मुद्दे पर अलग रुख अपनाते हुए पेंटागन और अन्य एजेंसियों को सभी संबंधित रिकॉर्ड की समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं।

निर्देशों के अनुसार, जो भी जानकारी सार्वजनिक की जा सकती है, उसे लोगों के सामने जारी किया जाएगा। इसके लिए यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ डिफेंस सहित अन्य सुरक्षा एजेंसियां मिलकर दस्तावेजों की जांच कर रही हैं।

बताया जा रहा है कि यह पहली बार है जब अमेरिका में यूएफओ से जुड़े दस्तावेजों को इतने बड़े स्तर पर सार्वजनिक करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। इस पहल को देश के दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों का समर्थन भी मिल रहा है, जिससे पारदर्शिता को लेकर चर्चा और तेज हो गई है।

रूस-यूक्रेन के बीच तीन दिन के युद्धविराम का ट्रंप ने किया एलान, 1000-1000 कैदियों की होगी अदला-बदली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि रूस और यूक्रेन के बीच 9 से 11 मई तक तीन दिन का युद्धविराम रहेगा। ट्रंप के अनुसार, इस दौरान दोनों देशों के बीच सभी सैन्य गतिविधियां रोकी जाएंगी। साथ ही रूस और यूक्रेन 1000–1000 युद्धबंदियों की अदला–बदली भी करेंगे।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि रूस–यूक्रेन युद्ध में तीन दिन के युद्धविराम पर सहमति बन गई है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए कहा कि 9 मई से 11 मई तक रूस और यूक्रेन के बीच सीजफायर रहेगा। इस दौरान दोनों देशों के बीच किसी भी तरह की सैन्य कार्रवाई नहीं होगी और हथियारों से हमला भी रोका जाएगा।

ईरान ने अमेरिका के खिलाफ बड़ी जीत का दावा किया, ट्रंप बोले– संघर्ष विराम जारी

'रूस के विक्ट्री डे समारोह के दौरान लागू रहेगा सीजफायर'

ट्रंप ने कहा कि यह युद्धविराम रूस के विक्ट्री डे समारोह के दौरान लागू रहेगा। रूस हर साल 9 मई को द्वितीय विश्व युद्ध में जीत की याद में विक्ट्री डे मनाता है। ट्रंप ने अपने बयान में यह भी कहा कि यूक्रेन ने भी द्वितीय विश्व युद्ध में बड़ी भूमिका निभाई थी, इसलिए यह समय दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण है।

दोनों पक्ष 1000–1000 कैदियों की करेंगे अदला–बदली

उन्होंने बताया कि इस सीजफायर के दौरान रूस और यूक्रेन के बीच 1000–1000 युद्धबंदियों की अदला–बदली भी की जाएगी। ट्रंप के मुताबिक, यह पहल उन्होंने सीधे तौर पर की थी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन व यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने इस पर सहमति जताई है।

'युद्ध खत्म होने की शुरुआत'

ट्रंप ने उम्मीद जताई कि यह कदम लंबे समय से चल रहे खूनी युद्ध को खत्म करने की दिशा में बड़ी शुरुआत साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि युद्ध समाप्त कराने को लेकर बातचीत लगातार जारी है और दोनों देशों के बीच समझौते की संभावना पहले से ज्यादा बढ़ती दिख रही है।

अमेरिका की क्यूबा पर हमले की कोई योजना नहीं, ट्रंप के साथ बंद कमरे में मुलाकात के बाद बोले लूला

चार साल से वक्त से रूस–यूक्रेन के बीच जंग

रूस और यूक्रेन के बीच फरवरी 2022 से युद्ध जारी है। इस संघर्ष में हजारों लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि लाखों लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। ऐसे में तीन दिन के युद्धविराम और कैदियों की अदला–बदली को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक अहम घटनाक्रम माना जा रहा है।

ईरान में इंटरनेट बैन के 70 दिन पूरे, रूस ने यूएई से की शांति वार्ता का समर्थन करने की अपील

पश्चिम एशिया इस वक्त बारूद के ढेर पर बैठा है, जहां एक छोटी सी चिंगारी वैश्विक संकट का रूप ले सकती है। इस्राइल, लेबनान, अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य टकराव ने पूरे क्षेत्र की स्थिरता को खतरे में डाल दिया है। दूसरी ओर, होर्मुज पर बढ़ता दबाव वैश्विक तेल आपूर्ति और अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती पेश कर रहा है। लाल सागर से लेकर फारस की खाड़ी तक फैली इस अशांति के बीच अब तक हजारों लोग प्रभावित हुए हैं। शांति की हर कोशिश फिलहाल नाकाम दिख रही है। जमीन पर क्या हालात हैं? अमेरिका की अगली रणनीति क्या होगी और होर्मुज की हलचल का दुनिया पर क्या असर पड़ेगा? यहां पढ़िए सभी महत्वपूर्ण और सटीक अपडेट्स....

किचन पर श्युद्धश् की मार्ररू तीन साल के उच्चतम स्तर पर पहुंचा वैश्विक खाद्य महंगाई का ग्राफ

संयुक्त राष्ट्र की संस्था एफएओ की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, ईरान में चल रहे युद्ध और होर्मुज जलडमरूमध्य में आपूर्ति बाधित होने से दुनिया भर में खाने–पीने की चीजों के दाम तीन साल के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए हैं। अप्रैल 2026 में खाद्य मूल्य सूचकांक में 2: की वृद्धि दर्ज की गई है, जिसमें सबसे ज्यादा असर वेजिटेबल ऑयल यानी खाद्य तेल और मीट की कीमतों पर पड़ा है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण बायोफ्यूल की मांग बढ़ी है, जिससे खाद्य तेलों की किल्लत हो रही है, वहीं युद्ध की वजह से खाद के दाम बढ़ने से किसान अब गेहूं जैसी फसलों से किनारा कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह तनाव जल्द कम नहीं हुआ, तो आने वाले महीनों में आम आदमी की थाली और भी महंगी हो सकती है।

रूस की शांति पहल लावरोव ने यूएई से की ईरान– अमेरिका वार्ता का समर्थन करने की अपील

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को कम करने की दिशा में रूस ने एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक कदम उठाया है। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने अपने यूएई समकक्ष शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान से फोन पर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने ईरान–अमेरिका के बीच जारी वार्ता को पूर्ण समर्थन देने की आवश्यकता पर बल दिया। रूसी विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, लावरोव ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में फिर से शत्रुता और सैन्य संघर्ष को रोकने के लिए इन वार्ताओं की सफलता अनिवार्य है, ताकि पिछले कुछ समय से बनी स्थिरता के प्रयासों को कोई खतरा न पहुंचे। दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि मौजूदा परिस्थितियों में किसी भी ऐसी सैन्य कार्रवाई से बचना चाहिए जो क्षेत्रीय सुरक्षा और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा सकती हो।

पश्चिम एशिया संघर्षः कतर और अमेरिका के बीच शांति बहाली पर चर्चा

कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल थानी ने वाशिंगटन में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से मुलाकात की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य ईरान के साथ चल रहे तनाव को खत्म करना और पश्चिम एशिया में स्थायी शांति स्थापित करना था। दोनों नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि सभी पक्षों को शांति प्रस्तावों पर सकारात्मक रुख अपनाना चाहिए ताकि बातचीत के जरिए संकट का समाधान निकाला जा सके।

IMF ने पाकिस्तान को दी राहत : 11 हजार करोड़ से अधिक का कर्ज मंजूर, विदेशी मुद्रा भंडार को मिलेगा सहारा

आईएमएफ की 1.2 अरब डॉलर यानी 11,322.25 करोड़ रुपये की इस मदद से पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार 17 अरब डॉलर के पार हो जाएगा। हालांकि, कर्ज की इन किस्तों के बदले जनता पर टैक्स और महंगाई का बोझ बढ़ना तय है क्योंकि

सरकार ने बजट को सख्त रखने का वादा किया है।

आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से एक बड़ी खुशखबरी आई है। शुक्रवार को आईएमएफ के कार्यकारी बोर्ड ने पाकिस्तान के लिए 1.2 अरब डॉलर यानी 11,322.25 करोड़ रुपये के कर्ज की मंजूरी दे दी है। यह राशि दो अलग–अलग वित्तीय कार्यक्रमों के तहत जारी की जा रही है। इस फैसले से पाकिस्तान की डूबती अर्थव्यवस्था को फिलहाल संजीवनी मिलने की उम्मीद है।

ईएफएफ और आरएसएफ के तहत मिला फंड

सितंबर 2024 में आईएमएफ पाकिस्तान को 37 महीनों के लिए एक्सटेंडेड फंड फैसिलिटीज (ईएफएफ) के तहत 7 अरब डॉलर यानी 66, 047.03 करोड़ रुपये देने पर सहमत हुआ था। ताजा मंजूरी के अनुसार, ईएफएफ के तहत पाकिस्तान को लगभग 1 अरब डॉलर यानी 9,435.29 करोड़ रुपये मिलेंगे। इसके अलावा, जलवायु संकट से निपटने के लिए श्रेजिलिएंस एंड सस्टेनेबिलिटी फैसिलिटीश (आरएसएफ) के तहत 21 करोड़ डॉलर दिए जाएंगे। अब तक पाकिस्तान कुल 8.4 अरब डॉलर (79,256.44 करोड़ रुपये) के दो ऋण पैकेजों में से 4.5 अरब डॉलर यानी 42,458. 81 करोड़ रुपये प्राप्त कर चुका है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार ने बताया कि यह राशि अगले हफ्ते की शुरुआत में जारी कर दी जाएगी, जिससे केंद्रीय बैंक का रिजर्व 17 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो जाएगा।

तो क्या ये था पाकिस्तान का असली खेल?रू सऊदी अरब ने तीन अरब डॉलर डिपॉजिट बढ़ाया, संकट के बीच मिला आर्थिक सहारा

शर्तों का पालन करना जरूरी

आईएमएफ की यह मंजूरी पाकिस्तान सरकार की ओर से दिखाए गए बेहतर राजकोषीय प्रदर्शन का परिणाम है। पाकिस्तान ने दिसंबर 2025 तक के सभी आर्थिक लक्ष्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया है। हालांकि, फेडरल बोर्ड ऑफ रिवेन्यू का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। टैक्स कलेक्शन में कमी को पूरा करने के लिए सरकार ने पेट्रोलियम लेवी की दरों में बढ़ोतरी की है। वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने भरोसा दिलाया है कि देश सुधारों के रास्ते पर अडिग रहेगा। पाकिस्तान ने आईएमएफ को वचन दिया है कि वह पश्चिम एशिया युद्ध के बावजूद राजकोषीय लक्ष्यों से पीछे नहीं हटेगा। सरकार 3.4 ट्रिलियन रुपये का प्राथमिक बजट अधिशेष लक्ष्य हासिल करेगी। आगामी बजट भी आईएमएफ की सलाह से तैयार किया जाएगा। यह एक टाइट बजट होगा, जिसमें आर्थिक विकास की अंधाधुंध दौड़ के बजाय स्थिरता पर ध्यान दिया जाएगा। हालांकि, इन सख्त नीतियों के कारण बेरोजगारी और गरीबी बढ़ने की चिंताएं भी जताई जा रही हैं।

व्हाइट हाउस हमला : आरोपी ने लगाया जांच में पक्षपात का आरोप, जानें क्या है पूरा मामला

व्हाइट हाउस डिनर हमले के आरोपी ने न्याय विभाग के प्रमुखों पर ही पक्षपात का आरोप लगाकर कानूनी लड़ाई को दिलचस्प बना दिया है। पीड़ित अधिकारियों की ओर से ही केस चलाने की इस चुनौती ने अब अमेरिकी अदालती प्रक्रिया और निष्पक्षता को कसौटी पर खड़ा कर दिया है। क्या है मामला?

अमेरिका से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स एसोसिएशन डिनर हमले के आरोपी कोल टॉमस एलन ने नया दांव चला है। एलन ने न्याय विभाग के शीर्ष अधिकारियों को इस मामले से दूर करने की मांग की है। बचाव पक्ष का तर्क है कि ये अधिकारी खुद इस घटना के पीड़ित या गवाह हो सकते हैं। ऐसे में वे इस मामले में निष्पक्ष निर्णय नहीं ले पाएंगे।

कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच और अमेरिकी अटॉर्नी जीनिन पीरो 25 अप्रैल को वाशिंगटन हिल्टन में मौजूद थे। उसी शाम आरोपी कोल टॉमस एलन ने सुरक्षा घेरा तोड़कर हमला किया था।

एलन पर आरोप है कि उसने एक सीक्रेट सर्विस अधिकारी पर शॉटगन से फायरिंग की। गुरुवार को कोर्ट में दाखिल याचिका में एलन के वकीलों ने तर्क दिया कि ब्लैंच और पीरो का इस केस में शामिल होना हितों के टकराव जैसा है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।